अंक— 195

31CICIR 5016C

लखनऊ से प्रकाशित

लखनऊ, शुक्रवार, 08 नवम्बर 2024

पृष्ट-4

मूल्य : 2.00 रूपये

website: www avatarkranti.com

संक्षिप्त समाचार

शरद पवार को विश्वास, इस बार जनता परिवर्तन के मूड में है

मुंबई महाराष्ट्र विधानसभा चुनावे की उलटी गिनती शुरू हो गई है सभी पार्टियां खुद को दूसरे से बेहतर बता रही हैं इस बीच राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने दावा किया है कि महाअघाड़ी की जीत का उन्हें पूरा विश्वास है। उन्होंने इसके पीछे का कारण जनता के मूड को बताया। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) प्रमुख ने ये बातें नागपुर में कहीं। यहां उन्होंने पत्रकारों से महाराष्ट्र की मौजूदा राजनीतिक परिस्थिति पर विस्तृत बातचीत की। इस दौरान अपने गठबं ान की खूबियां और विरोधी खेमे की खामियां बताई। उन्होंने कहा कि हम सभी प्रचार के लिए तैयार हो चुके हैं। प्रचार का आगाज अच्छा रहा। गति भी अच्छी रही। हम लोगों के बीच जा रहे हैं। हमारे अन्य सहयोगी दल मसलन कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) की भी शुरुआत अच्छी रही। महाराष्ट्र की जनता मौजुदा सरकार से त्रस्त हे चुकी है। हमें पूरा विश्वास है कि इस बार यहां की जनता परिवर्तन के मुख में है। इस बार महाराष्ट्र में परिवर्तन होकर रहेगा। उन्होंने कहा कि मैं अभी नागपुर में हं। कल हिंगणघाट जाऊंगा वहां प्रचार करूंगा। हमारी कोशिश है कि जनता के बीच जाकर उनसे संवाद स्थापित करें और उन्हें अपनी खुबियों के बारे में बताए। यह सब कुछ 18 तारीख तक चलेगा। हम सभी लोग चुनावी मैदान में उतरने के लिए उत्साहित हैं। इसके अलावा, उन्होंने आरक्षण को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि मैं पिछले तीन साल से जातीय जनगणना की मांग कर रहा हूं, ताकि मौजूदा स्थिति को समझा जा सके। इस बीच, उनसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बंटेंगे तो कटेंगे वाले बयान को लेकर जब सवाल किया गया, तो

हिमंत बिस्वा सरमा से बड़ा अपराधी कोई नहीं : पप्पू यादव

उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया।

रांची झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण को लेकर सियासी दलों का चुनाव–प्रचार जारी है। कांग्रेस नेता राजीव रंजन उर्फ पप्पू यादव ने बुधवार को रांची में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा पर बडे आरोप लगाए। कांग्रेस नेता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया. ष्हिमंत बिस्वा सरमा से बडा अपराध ी कोई नहीं है। साल 1991 मे उनके खिलाफ दो केस दर्ज हुए थे। वह महीने में 10 लाख रुपये उल्फा को पहुंचाते थे और जबरन वसूली करते थे। इसके बाद उन पर आर्म्स एक्ट का मुकदमा दर्ज हुआ और उनके घर से अवैध ु हथियार बरामद किए गए। यही नहीं, उन पर टाडा का केस भी दर्ज किया गया। इसके अलावा मानवेंद्र शर्मा की हत्या के मामले में भी उनका नाम आया था। उन्होंने दावा किया कि हिमंत बिस्वा सरमा का शारदा स्कैम में भी नाम आया था। आरोप था कि उन्होंने शारदा ग्रूप के मालिक से पैसों की मांग की थी। इसके बाद सीबीआई ने साल 2014 में उनसे चार घंटे तक पूछताछ भी की थी। कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, झारखंड में भारतीय जनता पार्टी का लगभग 20 वर्षों तक शासन रहा। जबकि केंद्र में पिछले 11 साल से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार चल रही है। इस तरह की घुसपैट के लिए भाजपा

की सरकार जिम्मेदार है।

यूपी में 10 नए संरक्षण गृहों के निर्माण पर 100 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करेगी योगी सरकार

विभाग ने बच्चों के सर्वांगीण विकास और सुरक्षा के लिए एक नई और महत्वपूर्ण पहल की है। इस पहल के तहत राज्य के विभिन्न जनपदों में 10 नए बाल संरक्षण गहों का निर्माण और संचालन किया जाएगा। इन संरक्षण गृहों का उद्देश्य बच्चों को सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण प्रदान करना है, जहां वे अच्छे नागरिक के रूप में विकसित हो सकें। एक अधि



ाकारी ने बताया कि महिला कल्याण में 100-100 बच्चों को रखने की केवल रहने की सविधाएं दी जाएंगी, विभाग द्वारा प्रस्तावित इस योजना के क्षमता होगी। इनमें 1 राजकीय बाल बल्कि उनके शारीरिक, मानसिक और अनुसार, प्रदेश के मथुरा, प्रयागराज, गृह (बालिका) 1 राजकीय बाल गृह भावनात्मक विकास का भी ध्यान रखा कानपुर नगर, आजमगढ़, झांसी, (बालक), 7 राजकीय संप्रेक्षण गृह जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अमेठी, देवरिया, सूल्तानपुर, तथा (किशोर), किशोर न्याय बोर्ड सहित 1 की मंशानुरूप महिला एवं बाल विकास ललितपुर में इन संरक्षण गृहों की प्लेस ऑफ सेफ्टी गृह शामिल है। विभाग इन संरक्षण गृहों की स्थापना स्थापना की जाएगी। हर संरक्षण गृह इन संरक्षण गृहों में बच्चों को न से असहाय और संवेदनशील बच्चों

मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास कर 2024–25 में 100 करोड़ रुपये का रहा है। इन गृहों में बच्चों को एक बजट प्रावधान किया गया है। योजना संरक्षित वातावरण में शिक्षा, स्वास्थ्य के सफल संचालन के लिए मुख्यमंत्री देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य सहायता योगी आदित्यनाथ ने यह भी सुनिश्चित और जीवन कौशल जैसी सुविधाएं किया है कि इन गृहों का निर्माण और प्रदान की जाएंगी। इस योजना के प्रबंधन गुणवत्ता मानकों के अनुसार तहत राज्य सरकार ने बाल संरक्षण किया जाएगा। इसके लिए सरकार गृहों के निर्माण के लिए आवश्यक ने टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से फंड भी निर्धारित किए हैं। सभी गृहों कंसल्टेंट्स का चयन भी किया है, का निर्माण योगी सरकार अपने बजट ताकि इन बाल संरक्षण गृहों में दी से करेगी। वहीं इन गृहों के संचालन जाने वाली सेवाओं का उच्चतम स्तर में केंद्र सरकार द्वारा मिशन वात्सल्य स्निश्चित किया जा सके। इस योजना के प्रावधानों के केंद्रांश-60 योजना के तहत बच्चों के अधिकारों प्रतिशत और राज्यांश–40 प्रतिशत की रक्षा के लिए विशेष प्रशिक्षित के अनुसार राज्य सरकार पर 7.96 कर्मचारियों की नियक्ति की जाएगी, करोड़ रुपये का व्यय भार आएगा। जो उनकी सुरक्षा और कल्याण के इसके साथ ही मुख्यमंत्री बाल आश्रय प्रति संजीदा होंगे।

मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुणे। एनसीपी नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री बाबा सिद्दीकी की हत्या के सिलसिले में मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में अब तक गिरफ्तार आरोपियों की कुल संख्या 18 हो गई है। इससे पहले बीते बुधवार को मुंबई क्राइम ब्रांच ने पुणे से गौरव अप्पुने (23) को गिरफ्तार किया था। जांच के दौरान पुलिस को पता चला था कि गौरव ने बाबा सिद्दीकी की हत्या की योजना बनाने के लिए कई बार अन्य आरोपियों से मुलाकात की थी। रिपोर्ट के अनुसार, पुणे के रहने वाले दोनों संदिग्धों को पुणे में गिरफ्तार किया गया है। बताया जा रहा है कि गिरफ्तार दोनों संदिग्ध ा आरोपी प्रवीण लोनकर के संपर्क में थे, जिसने कथित तौर पर उन्हें लगभग 30 पिस्टल की गोलियां मुहैया कराई थीं। संदिग्धों को मुंबई लाया गया है और उन्हें अदालत में पेश किया जाएगा। बता दें कि एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी (66) की 12 अक्टूबर को मुंबई के बांद्रा में उनके बेटे जीशान के ऑफिस के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने इस हत्या की जिम्मेदारी ली है। गैंग का कहना है कि बाबा सिद्दीकी की हत्या अभिनेता सलमान खान से उनके करीबी संबंध ों के कारण की गई। इससे पहले बाबा सिद्दीकी हत्याकांड के एक गवाह को 5 करोड़ रुपये की धमकी वाला कॉल आया था। पुलिस ने बताया था कि कॉल करने वाला लॉरेंस बिश्नोई गैंग का सदस्य बताया जा रहा है। शिकायत के आधार पर खार पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई है। गवाह ने पुलिस को बताया था कि कुछ दिन पहले उसे एक अज्ञात व्यक्ति ने धमकी भरा फोन किया था, जिसमें पांच करोड़ रुपये की मांग की गई थी।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत मेधावी छात्रों को मिलेगा एजुकेशन लोन



कहा कि पीएम विद्यालक्ष्मी योजना भारत के प्रतिभाशाली युवाओं के लिए 21वीं सदी की उच्च शिक्षा तक पहुंच को यूनिवर्सल बनाने में मददगार होगी। उन्होंने आगे कहा, 3,600 करोड रुपये के परिव्यय के साथ यह योजना उच्च शिक्षा में आने वाली बाध गाओं को दूर करेगी और

लेकर जानकारी देते हए

नयी दिल्ली केंद्रीय शिक्षा मंत्री ध देश की युवा शक्ति को अपने सपनों ार्मेंद्र प्रधान ने केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा को पुरा करने में सक्षम बनाएगी। पीएम विद्यालक्ष्मी योजना को मंजूरी पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत दिए जाने की सराहना की है। यह जमानत-मुक्त और गारंटर-मुक्त योजना केंद्रीय क्षेत्र के तहत मेधावी एजकेशन लोन से मेधावी छात्रों के लिए उच्च शिक्षा तक पहुंच को छात्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करने को लेकर एक महत्वपूर्ण कदम है। आसान बनाया जाएगा और यह से हर साल 22 लाख से अधिक शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने योजना को स्निनिश्चित किया जा सकेगा कि छात्र लाभान्वित हो सकेंगे।

वित्तीय बाधाएं छात्रों को शिक्षा प्राप्त करने से न रोकें। जिन विद्यार्थियों की वार्षिक पारिवारिक आय 8 लाख रुपये तक है, वे 10 लाख रुपये तक के एजुकेशन लोन पर 3 प्रतिशत ब्याज अनुदान पाने के पात्र होंगे साथ ही वे 7.5 लाख रुपये तक के लोन पर 75 प्रतिशत क्रेडिट गारंटी के पात्र होंगे। योजना को लेकर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि एज्केशन लोन पारदर्शी, छात्र–अनुकूल और डिजिटल आवेदन प्रक्रिया के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। योजना के तहत एनआईआरएफ के आधार पर टॉप 860 उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश पाने वाले छात्रों को एजुकेशन लोन की सुविधा दी जाएगी। इस योजना

यासीन मलिक की पत्नी का राहुल गांधी को पत -मेरे पति कश्मीर में ला सकते हैं शांति, उन्हें मौका दिया जाए





बशर्ते उन्हें उचित मौका दिया जाए। मुशैल ने पत्र में कहा, मेरे पति के साथ चल रहा व्यवहार किसी यातना से कम नहीं है और मैं आपसे अनुरोध लिखे पत्र में मुशैल ने अपने पति के खिलाफ चल रही कानूनी लड़ाई का चुनौती दी है। एनआईए के आरोप आरोप लगाए जा रहे हैं।

जिक्र किया, विशेष रूप से दशकों पुराने राजद्रोह के मामले का, जिसमें राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने अब मृत्युदंड की मांग की है। कश्मीर ा करती हूं कि उन्हें न्याय दिलाने में के अलगाववादी नेता यासिन मलिक हमारी मदद करें। राहल गांधी को ने टेटर फंडिंग के एक केस में मृत्युदंड की एनआईए की अपील को की सजा देने के लिए मनगढ़ंत

2017 में टेरर फाइनेंसिंग इन्वेस्टिगेशन से जुड़े हैं, जिसमें मलिक के साथ कई अन्य लोग शामिल थे। 2022 में मलिक को दोषी पाए जाने के बाद ट्रायल कोर्ट ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाई। हालांकि, मुशैल के अनुसार, मलिक की नजरबंदी और उसकी मौत की सजा की मांग शएक व्यापक राजनीतिक प्रतिशोध का हिरसा है। मुशैल ने दावा किया कि 2019 से भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार मलिक के साथ एअमानवीय व्यवहार कर रही है और उनके खिलाफ मुकदमे राजनीति से प्रेरित हैं। मुशैल ने पत्र में आरोप लगाया कि मलिक पर 35 साल पुराने मामले में भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने का मुकदमा चल रहा है और अब, उन्हें फांसी

शिक्षा, धारावी परियोजना को निरस्त करने का वादा, उद्भव ठाकरे की पार्टी ने जारी किया घोषणापत

मुंबई शिवसेना (युबीटी) के प्रमुखं उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी का घोषणापत्र जारी किया, जिसमें लड़कों को मुफ्त शिक्षा और आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को स्थिर करने के आश्वासन के साथ ही धारावी पुनर्विकास परियोजना को रद्द करने का वादा भी किया गया है। ठाकरे ने कहा कि ज्यादातर चनावी वादे विपक्षी गठबंध ान महाविकास अघाडी (एमवीए) के घोषणापत्र का हिस्सा हैं, लेकिन कुछ बिंदु हैं जिन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शिवसेना, कांग्रेस और शरद पवार के नेतृत्व वाली



राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) वाला एमवीए गठबंधन 20 नवंबर को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र भी जारी करेगा। ठाकरे ने कहा कि हर जिले में मराठा राजा

छत्रपति शिवाजी महाराज का मंदिर होगा। उन्होंने पुरानी पेंशन योजना लागू करने और आरक्षण की 50 प्रतिशत सीमा हटाने का भी वादा किया। टाकरे ने आश्वासन दिया कि जिस तरह से राज्य में छात्राओं

को सरकारी नीति के तहत मुफ्त शिक्षा मिल रही है, अगर एमवीए सत्ता में आता है तो इसे छात्रों के लिए भी लागू किया जाएगा। उन्होंने सार्वजनिक परिवहन की बसों में महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा का भी वादा किया। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पुलिस बल में 18,000 महिलाओं की भर्ती के अलावा महाराष्ट्र में ऐसे पुलिस थाने भी स्थापित किए जाएंगे, जिनमें सिर्फ महिलाएं होंगी। उन्होंने कहा कि एमवीए आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को भी स्थिर रखेगा। ध गरावी पुनर्विकास परियोजना के बारे में पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि इसे रद्द कर दिया जाएगा क्योंकि इसका बुरा प्रभाव मुंबई पर होगा।

भारतीय मूल की उषा चिलुकुरी बनेंगी अमेरिकी की सेकंड लेडी, आंध्र प्रदेश के गांव में मना जश्न

अमरावती रिपब्लिकन पार्टी से उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार जे. डी. वेंस की पत्नी उषा चिलुक्री वेंस, अमेरिका की पहली भारतीय मूल की श्सेकंड लेडीश बनने जा रही हैं। पेशे से वकील 38 चिलुकरी मूलरूप की पारिवारिक जड़ें आंध्र प्रदेश में हैं। जेडी वेंस की जीत की खबर मिलने के बाद से पश्चिम गोदावरी जिले के वडलुरु गांव में जश्न का माहौल है, जहां से उनका परिवार आता है। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रपति पद उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप ने वेंस को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार नामित किया था। बता दें बुधवार को राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी को शानदार सफलता मिली। ट्रंप एक बार फिर जनवरी में अमेरिका के नए राष्ट्रपति बनेंगे इस के साथ ही वेंस उपराष्ट्रपति



का पद संभालेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ट्रंप और वेंस की जीत के बाद वडलुरु गांव के लोगों ने पटाखे फोड़े और मिठाइयां बांटी। इससे पहले कुछ ग्रामीणों ने ट्रंप और वेंस की जीत के लिए प्रार्थना भी की। आंध्र प्रदेश के सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स मंत्री नारा लोकेश ने कहा कि यह आंध्र प्रदेश, खासकर

पश्चिमी गोदावरी जिले के लोगों के लिए बहुत खास क्षण है। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू के बेटे और मंत्री लोकेश ने कहा, उषा वेंस की जड़ें आंध्र प्रदेश में हैं। हमें गर्व है कि आंध ्र प्रदेश मूल के लोग दुनिया भर में विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रहे हैं। 40 वर्षीय ओहियो सीनेटर और अमेरिका के अगले उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने 2014 में उषा से शादी की।

का जातना अफसोसजनक, कमला हैरिस जीततीं तो ऐतिहासिक

नयी दिल्ली कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर अफसोस जताया है। साथ ही उन्होंने ट्रंप को पतित व्यक्ति बताते हुए चुनाव हारने वाली भारतीय मूल की उम्मीदवार कमला हैरिस के प्रति सहानुभूति दिखाई है। मणिशंकर अय्यर ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, "मुझे यह बात बहुत अफसोसजनक लगती है कि ऐसे व्यक्ति, जिन्हें अमेरिका की अदालत ने ही गंभीर अपराधी बताया है, जिनके बारे में इतिहास में यह लिखा गया है कि वह वेश्याओं के पास जाकर उन्हें

पैसे देते थे ताकि वह अपना मुंह बंद रखें, उसे अमेरिका का राष्ट्रपति चुना गया है। इस तरह के व्यक्ति को इतने बडे पद पर देखना दुखद है। मुझे इस पर भी अफसोस है कि कमला हैरिस नहीं जीतीं। यदि कमला हैरिस जीततीं, तो वह अमेरिका की पहली महिला और भारत से संबंध रखने वाली पहली राष्ट्रपति बन सकती थीं। यह एक ऐतिहासिक और सकारात्मक कदम होता। उन्होंने आगे कहा, "निजी तौर पर, मैं मानता हूं कि डोनाल्ड ट्रंप एक नेक इंसान नहीं हैं। अगर आप मुझसे पूछें कि इसका हमारी



में कहंगा कि अगर आप उनके और कमला हैरिस के चरित्र को देखें, तो कोई शक नहीं कि गलत व्यक्ति को शीतकालीन सत्र में वक्फ (संशोध

चुना गया है। यह मेरी व्यक्तिगत राय है। इसके बाद उन्होंने इसी महीने शुरू हो रहे संसद के

वन इलेक्शन' से जुड़े विधेयक पास किए जाने की अटकलों पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।कांग्रेस नेता ने कहा, "मैं इन मुद्दों को बहुत गहराई से नहीं देख रहा क्योंकि मैं संसद का सदस्य नहीं हूं और मेरी पार्टी ने मुझे एक तरफ कर दिया है। मुझे इन बारीकियों में कोई खास दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार यह दिखाना चाहती है कि वे बिना उनकी सहमति के जो चाहे बदल सकते हैं। यह गलत होगा। उन्होंने कहा, यह इसलिए गलत है क्योंकि बदलाव का प्रस्ताव

ान) विधेयक, 2024 और 'वन नेशन,

उनके हित में होना चाहिए और उनकी सहमति के साथ होना चाहिए। उन्होंने कहा कि मीडिया के जरिये उन्हें पता चला है कि वक्फ विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष जगदंबिका पाल को जिस तरह से समिति को चलाना चाहिए था, शायद वैसा नहीं हो रहा है। विपक्ष के कई नेताओं ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मिलकर इस बारे में शिकायत की है। उन्होंने कहा, हमें देखना होगा कि बिरला साहब इस मामले में क्या कदम उठाते हैं।" उन्होंने आगे कहा, "जहां तक 'वन नेशन, वन इलेक्शन' की

बात है, तो मैं इसे पूरी तरह से गलत मानता हूं। इस देश की एकता उसकी विविधताओं में ही है। आरएसएस और संघ परिवार के लोग हमेशा यही कोशिश करते हैं कि विविधता को कम कर एक हिंदू पहचान पर देश की एकता बनाई जाए। मैं विशेष रूप से दक्षिण भारत से हूं, और मुझे यह बिल्कुल नहीं लगता कि हमें हर मामले में एक ही मॉडल अपनाना चाहिए, खासकर वह जो उत्तर भारत में अपनाया गया है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा तमिलनाड् में एक भी लोकसभा सीट नहीं जीत सकी है।

अवतार क्रान्ति (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, ०८ नवम्बर २०२४

सम्पादकीय

मदरसा शिक्षा पर बडा फैसला

मंगलवार 5 नवंबर को भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए उत्तरप्रदेश मदरसा अधिनियम 2004 को मान्यता बरकरार रखी है। दरअसल इसी साल 22 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मुलायम सिंह सरकार द्वारा बनाए गए इस अधिनियम को असंवैधानिक करार देते हुए धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत के खिलाफ बताया था। उच्च न्यायालय के जस्टिस विवेक चौधरी और जस्टिस सुभाष विद्यार्थी की खंडपीठ ने उप्र की योगी आदित्यनाथ सरकार को एक योजना बनाने का निर्देश भी दिया था. ताकि वर्तमान में मदरसों में पढ रहे छात्रों को औपचारिक शिक्षा प्रणाली में समायोजित किया जा सके। गौरतलब है कि 2004 में बनाए गए मदरसा अधि ानियम का मकसद मदरसा शिक्षा को व्यवस्थित करना था। इसमें मदरसा शिक्षा को अरबी, उर्दू, फारसी, इस्लामी अध्ययन, तिब्ब (पारंपरिक चिकित्सा), दर्शन और अन्य विषयों की शिक्षा के रूप में परिभाषित किया गया है। उत्तर प्रदेश में लगभग 25 हजार मदरसे हैं। जिनमें से साढ़े 16 हजार मदरसे उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की ओर से मान्यता प्राप्त हैं। इनमें से 560 मदरसों को सरकार से आर्थिक मदद मिलती है। इसके अलावा, राज्य में साढ़े आठ हजार गैर–मान्यता प्राप्त मदरसे भी चल रहे हैं। मदरसा शिक्षा बोर्ड रनातक और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री देता है। इनको क्रमशरू कामिल और फाजिल कहा जाता है। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद मदरसे कामिल और फाजिल की डिग्री नहीं दे सकेंगे, क्योंकि यह यूजीसी के अंतर्गत आते हैं। मगर मदरसों के छात्र 12वीं तक की शिक्षा पहले की तरह ले सकेंगे दरअसल यहां मसला इस बात का नहीं है कि बच्चों को कौन सी डिग्री मिल रही है और कौन सी नहीं। असल सवाल उस अधिकार का है, जो संविधान के दायरे में रहकर अल्पसंख्यक समदाय को दिया गया था, लेकिन उसके हनन के खतरे खड़े हो गए थे। मार्च 2024 में अंशमन सिंह राठौड़ की याचिक पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने जब मदरसा अधिनियम के खिलाफ फैसला सुनाया था, तो इसे धर्मनिरपेक्षता के खिलाफ बताया था। इस फैसले के बाव उप्र सरकार ने मदरसों के खिलाफ तमाम फरमान जारी कर दिए थे। मदरसों की मनमानी जांच शुरू कर दी गई। हालांकि इन सभी मदरसों में आधुनिक शिक्षा दी जा रही थी लेकिन सरकार ने अपना आदेश जारी कर यह भी प्रचारित किया कि मदरसों में आधुनिक शिक्षा नहीं दी जा रही। जबकि मदरसों के छात्र धार्मिक तालीम के साथ-साथ इतिहास, भूगोल, गणित और विज्ञान आदि उर्दू या अरबी के जरिए पढ़ते हैं। इलाहाबाद उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ कई याचिकाएं दायर की गईं। इनमें अंजुम कादरी, मैनेजर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (उप्र), ऑल इंडिया टीचर्स एसोसिएशन मदरिस अरबिया (नई दिल्ली), मैनेजर एसोसिएशन अरबिया मदरसा नए बाजार और टीचर्स एसोसिएशन मदसिर अरबिया कानपुर शामिल थे। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि इस फैसले में अल्पसंख्यकों के अधिकारों के लिए बनाए गए संविधान के अनुच्छेद 30 पर भी ध्यान नहीं दिया गया, जो धार्मिक और भाषाइ अल्पसंख्यकों को शैक्षिक संस्थानों की स्थापना और प्रशासन के अधिकार की गारंटी देता है। सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश डी वाय चंद्रचूड़ जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की खंडपीठ ने भी उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ आदेश सुनाते हुए धर्मनिरपेक्षता को लेकर जो कुछ कहा, वह भविष्य के लिए भी मिसाल बन गया है। अदालत ने कहा कि धर्मनिरपेक्षता की सकारात्मक अवधारणा के लिए राज्य को अल्पसंख्यक संस्थानों के साथ धर्मनिरपेक्ष संस्थानों के समान व्यवहार करने के लिए सक्रिय कदम उठाने की आवश्यकता होती है, जबकि उन्हें अपने अल्पसंख्यक चरित्र को बनाए रखने की अनुमति होती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता राज्य को सभी व्यक्तियों के साथ समान व्यवहार करने के लिए कुछ व्यक्तियों के साथ अलग व्यवहार करने की अनुमति देती है। सकारात्मक धर्मनिरपेक्षता की अवध गारणा मौलिक समानता के सिद्धांत में संगति पाती है। इस व्याख्या के बाव संविधान प्रदत्त अधिकारों की जो मनमानी व्याख्या सत्तारुढ़ दल अपने छिपे एजेंडे को लागू करने के लिए करते हैं, उन पर शायद अंकुश लगे। दरअसल मदरसों को लेकर तमाम तरह की भ्रांतियां बीते कुछ बरसों में फैलाई गईं इसी तरह मिशनरी स्कूलों को लेकर भी पूर्वाग्रह फैलाए गए और देश में कई जगहों पर इन स्कलों में अराजक तत्वों द्वारा अशांति फैलाने की कोशिशें भी हुईं। इसके बरक्स संघ की सोच से संचालित सरस्वती शिशु मंदिरों को खूब बढ़ावा मिला। वहीं स्कूलों में सूर्य नमस्कार, गायत्री मंत्र या गीता के पाठ के जरिए परोक्ष रूप से हिंदुत्व की राजनीति को बच्चों के नाजुक मन पर रोपने की कोशिशें भी चल ही रही हैं। संघ भारत को हिंदू राष्ट्र बनाने का सपना देखता है और सत्ता में बैठी भाजपा द्वारा कई ऐसे फैसले लिए गए या लेने की कोशिश की गई, जिनसे संघ का मकसद पुरा हो। आम दिनों के अलावा चुनावों के दौरान सांप्रदायिक ध्रवीकरण की कोशिशें भाजपा की तरफ से तेज हो जाती हैं। अभी जिस तरह झारखंड चुनाव में हिमंता बिस्वा सरमा आदित्यनाथ योगी, अमित शाह, नरेन्द्र मोदी जैसे भाजपा प्रचारक बांग्लादेशी घुसपैठियों के मुद्दे को तेज कर रहे हैं या महाराष्ट्र चुनाव में योगी के ही दिए नारे बंटेंगे तो कटेंगे के पोस्टर लगाए गए, वो इसकी मिसाल हैं। इस तरह की रणनीति से भाजपा को तात्कालिक फायदा भले मिल जाए, लेकिन देश को इसका नुकसान लंबे वक्त तक भुगतन पड़ेगा। वैसे भी 47 से लेकर अब तक सांप्रदायिक नफरत की आग में देश कई बार झुलस चुका है, ऐसे में संविधान की शपथ लेने वाली सरकारों को इस आग को बुझाने की कोशिश करनी चाहिए। अभी ऐसा नहीं हो रहा है, मगर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले से यह उम्मीद बंधी हुई है कि गलत को सही करने की गंजाइश बची है।

मुनाफा देने का लालच देकर 3.39 लाख रूपये की ठगी, मुकदमा दर्ज

मुजफ्फरनगर। खतौली में क्रिप्टो व्यापार में पैसा लगाकर उस पैसे पर मुनाफ देने का झांसा देकर ठग ने 3.39 लाख रुपये की ठगी कर ली। इस मामले में पीड़ित ने तहरीर दी है। पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मोहल्ला सैनी नगर निवासी अभिषेक ने थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 14 अगस्त 2024 को एक टेलीग्राम पर संपर्क हुआ, जिसमें एक कंपनी के बारे में बताया गया, जो क्रिप्टो में व्यापार करती है। ठगों ने कम रुपये जमा करने पर मोटा मुनाफा देने का झांसा दिया।

टग ऐसे जाल में फंसाया

मोटे मुनाफे का झांसा देने के बाद ठग ने बड़ा लेनदेन करने को कहा, जिस पर उसने मना कर दिया। टग ने कहा कि अगर वह लेनदेन नहीं करेगा तो उसको पिछला मुनाफा तथा लगाए गए पैसे नहीं दिए जाएंगे। ठग ने उसे अपने जाल में फंसाते हुए कई बार में ऑनलाइन के माध्यम से अलग–अलग नंबरों पर 3.39 लाख रुपये जमा करा लिए। रुपये जमा करने के बाद जब पीडित ने अपना मुनाफा मांगा तो उसे

कोई भुगतान नहीं किया गया। ठग उससे और अधिक पैसा मांगते रहे। इसके बाद पीड़ित को पता चला कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पुलिस ने बताया कि तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई

मोबाइल हैक कर 40 हजार रुपये की उगी

खतौली के ही मोहल्ला सराफान निवासी मोहम्मद उस्मान ने पूलिस को तहरीर देकर बताया कि वह मोबाइल पर आनलाइन मोबाइल खरीद रहा था। जिसका उसने आर्डर कर भुगतान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से कर दिया।

अपने ही जलाये चिराग को बुझाकर जा रहे हैं चन्द्रचूड़



डॉ. दीपक पाचपोर भारत के सर्वोच्च न्यायाधीश डीवाई चंद्रचंड के कामकाज का यह अंतिम सप्ताह है। देश के 50वें चीफ जस्टिस के रूप में काम करने के बाद वे आने वाले सप्ताह के अंतिम दिन यानी रविवार, 10 नवम्बर को सेवानिवृत्त हो जायेंगे। 11 नवम्बर, 1959 को जन्मे सीजेआई डीवाई चंद्रचुड पहले बाम्बे हाईकोर्ट में जस्टिस रहे। इलाहाबाद हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनने के बाद वे सुप्रीम कोर्ट पहुंचे थे। देश में नागरिक अधिकारों की सर्वोच्च कस्टोडियन कही जाने वाली इस न्यायिक संस्था के मुखिया का पद उन्होंने 8 नवम्बर, 2022 को सम्हाला था। जिस दौरान वे इस कुर्सी पर बैठे थे, वह एक तरह से अंधेरे का समय था। दो चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जिस प्रकार से निरंकुश बन बैठे थे, उसके कारण देश की संवैध

थीं, विपक्ष लुंज-पूंज की अवस्था से वापिस खडा होने की कोशिश कर रहा था. अल्पसंख्यकों की इमारतों तथा नागरिक अधिकारों पर बुलडोजर चल रहे थे। फिलहाल मोदी जो तोड़ बहुत कमजोर पड़े हैं वह न्यायपालिका के कारण नहीं वरन नागरिकों के कारण है। सीजेआई चन्द्रचुड को कार्यकाल को किस प्रकार से याद किया जायेगा, इस पर विचार किये जाने का यह सटीक वक्त है। उनके पिता जस्टिस वाईवी चंद्रचूड़ भी 28 अगस्त 1972 को सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस बने थे जिन्होंने न्यायपालिका के इतिहास में सबसे लम्बी अवधि तक इस पद पर बने रहने का इतिहास बनाया है- 7 साल 4 माह का। वे अपने निर्भीक फैसलों एवं जनपक्षीय न्यायदान के लिये जाने जाते थे। इसलिये जब उनके पुत्र डीवाई ने यह पद सम्हाला तो उनसे आशाएं होनी स्वाभाविक थीं क्योंकि वे निष्पक्षता व निर्भीकता की एक चमकदार पारिवारिक विरासत लेकर आये थे। वैसे तो बगैर डरे और पक्षपात विहीन न्याय की विरासत खुद न्यायपालिका में उपलब्ध है। परन्तु मोदी–काल में जिस प्रकार से न्यायपालिका का व्यवहार रहा है, उसके कारण सीजेआई चंद्रचूड़ से स्वतंत्र न्याय की अपेक्षा के लिये लोग संस्था की बजाये उनके परिवार की ओर देखने लगे थे और याद करते थे। वे जब इस पद पर बैठे तो कई न्यायाधीश, यहां तक कि एक पूर्व चीफ जस्टिस भी लोगों को निराश कर चुके थे। पद छोड़ने के बाद किसी के लिये राज्यसभा में कुर्सी लगने लगी तो किसी को राजभवन की आरामदेह जिंदगी नसीब हुई। एक तो ऐसे भी निकले जिन्होंने त्यागपत्र देकर भारतीय

जनता पार्टी से लोकसभा का चुनाव तक लड लिया और संसद पहुंचे। ऐसे सारे पूर्व मी लॉर्ड्स ने निःसंदेह अपने पेशे को कलंकित किया क्योंकि उनकी कलम से ऐसे फैसले निकले थे जो सरकार से बढकर सत्ताधारी दल यानी भाजपा के लिये लाभकारी साबित हुए थे। यहां तक कि कुछ ऐसे निर्णय भी थे जो उस संविधान की धज्जियां उड़ाने के लिये भी जाने गये जिसकी रक्षा का भार एवं दायित्व इन्हीं माननीयों पर था। सेवा काल के बाद जब इन न्यायाधीशों ने सरकार में कोई पद सम्हाला या राजनीति में प्रवेश किया तो लोग उनके दिये निर्णयों को फिर से उलट-पलट कर देखने लगे और इसकी जांच करते रहे कि क्या उनमें कोई ऐसा एंगल रहा था जिसने भाजपा या सरकार को लाभ दिया हो। एक जज के रूप में परन्त् भविष्य में निजी तौर फायदा लेने के लिये हए ये फैसले अंततोगत्वा भारतीय न्याय पद्धति की विश्वसनीयता को पलीता लगा गये। हालांकि पिछले कुछ वर्षीं से देशवासी ऐसे निर्णयों और न्यायाधीशों को देखने के आदी हो चुके हैं क्योंकि जब राष्ट्रपति रहे रामनाथ कोविंद ने तक बगैर ना-नुक्र के एक देश एक चुनाव के लिये बनी कमेटी का अध्यक्ष बनना स्वीकार कर लिया तो न्यायाधीशों की भला क्या बिसात? वैसे न्यायपालिका के जजों के बारे में अब कहा जाने लगा है कि श्जब सांसद-राज्यपाल बनने का अवसर सामने हो तो खामख्वाह जज लोया क्यों बना जाये? यह भी ख्याल रखा जाये कि जब डी वाय चंद्रचूड सीजेआई बने तब तक स्वीकार कर लिया गया था कि न्यायपालिका सरकार की जेब में है। उनके आने

के पहले ही मोदी एवं उनके मुख्य सिपहसालार अमित शाह मनमाने ढंग से कई संविधान विरोधी या जनविरोधी कानून बगैर रूकावट के ला चुके थे। चाहे कृषि कानून हो या अनुच्छेद 370 की समाप्ति आदि, अपनी नागरिकता साबित करने के लिये कागज दिखाने पर मजबूर करने वाले कानून हों या न्याय संहिता में मनमाने बदलाव। सरकार के खिलाफ की गयी तमाम याचिकाएं न्यायपालिका में औंधे मंह जा गिरती थी। सरकार और मोदी के खिलाफ बात करना गैरकानूनी ही नहीं एक तरह से पाप हो चला था। विरोधी दलों की सरकारें गिराई जाती रहीं तो निर्वाचित मुख्यमंत्रियों को शक्तिहीन किया गया अथवा जेलों में डाला जाता रहा। सरकारें गिराई जाती रहीं सो अलग। ऐसे में जब सीजेआई चन्द्रचूड़ ने सरकार की आलोचना को लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये अच्छा बताया, जन आंदोलनों को लोकतांत्रिक अधिकार बताया तथा वे नागरिक अधिकारों के पक्ष में खडे दिखाई दिये, तो उन्होंने मानों घूप अंधेरे में एक चिराग रोशन किया था। लोगों को लगने लगा था कि ऐसे न्यायाधीश से सरकार की मनमानी रूकेगी, मानवाधिकार बहाल होंगे और नागरिक उनके अधिकारों से पुनरू सुसज्जित होंगे। उनके कुछ निर्णय इस तरह के दिखाई तो दिये लेकिन उनका लास्टिंग इफेक्ट कहीं नजर नहीं आता। सरकार का लोकतंत्र विरोधी काम अब भी जारी है, विरोधी नेताओं के दरवाजों पर जांच एजेंसियां अब भी दस्तकें देती रहती हैं। कुछ नेताओं या कार्यकर्ताओं को बेल मिल जाना ही न्याय नहीं है क्योंकि वे अब भी अपने सिर पर अपराधी होने का ऐसा कलंक ढो रहे

हैं जो साबित ही नहीं हुआ है। यह वक्त है कि उनके कई फैसलों या उनकी देखरेख में हुए निर्णयों की (चाहे वे उनमें शामिल रहे हों या न रहे हों) विवेचना का। यह तो सही है कि चीफ जस्टिस चन्द्रचूड़ ने इलेक्टोरल बॉन्ड्स को सही ठहराया पर इसके लिये न तो किसी भी पार्टी का पैसा जब्त किया न किसी को दोषी ठहराया, जैसे उनके एक पूर्ववर्ती सीजेआई ने बाबरी मस्जिद के विध वंस को गैरकानूनी बतलाते हुए भी मंदिर बनाने का अधिकार दिया। सीजेआई चन्द्रचुड ने तोड-फोड से बनी महाराष्ट्र सरकार को अवैध तो ठहराया लेकिन उसे वे सत्ता में बने रहने को मौन होकर देखते भी रहे। उन्होंने चंडीगढ नगरपलिका के निर्वाचन अधिकारी को लोकतंत्र का अपराधी बतलाया पर उसे जेल नहीं भेजा। ऐसे ही, उमर खालिद हों या सुधा भारद्वाज अथवा जीएन साईंबाबा या फादर स्टेन– इन सबकी न रिहाई सुनिश्चित की और न ही उनके खिलाफ आरोप साबित करने के लिये अभियोजन पक्ष को जवाबदेह बनाया। इनमें से कई अब भी जेल के भीतर दिन गिन रहे हैं या कुछ बाहर आकर मर गये हैं। दसरी ओर दोषसिद्ध हए अपराधी हर महीने- दो महीने में फरलो पर जेल के बाहर आ जाते हैं। प्रक्रिया को दोष नहीं दिया जा सकता न ही जिम्मेदार ठहराया जा सकता है (जो सजा से भी अधिक कष्टप्रद है) क्योंकि उसे भी न्यायपूर्ण बनाना सुप्रीम कोर्ट का ही काम है। जब सीजेआई चंद्रचूड ने अपने घर गणपति पूजा के लिए प्रधानमंत्री मोदी को बुलाया, तब भी सवाल उठे। अध ोरा छंटा नहीं है। ऐसे में जो दीपक सीजेआई चन्द्रचुड ने जलाया था उसे भी वे फूंक मारकर जा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर सोने की कीमतों में रिकार्ड उछाल

यूरोप और एशिया में भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने और दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों द्वारा पहले से कहीं जयादा सोना खरीदने के कारण पिछले साल से सोने की कीमतों में लगातार वृद्धि हो रही है। आने वाले महीनों में सोने की कीमतों में उछाल का सिलसिला जारी रह सकता है, जब तक कि दुनिया में जल्द ही शांति और आर्थिक स्थिरता वापस नहीं आ जाती। हालांकि, निकट भविष्य में शांति और वित्तीय स्थिरता आने की संभावनाएं बहुत कम हैं क्योंकि ईरान ने इजरायल और हमास के उग्रवादियों के बीच युद्ध में दखल देते हुए इजरायल पर मिसाइलें फेंकी हैं और बाद में इजरायल ने भी चुनिंदा ईरानी सैन्य प्रतिष्ठानों पर जवाबी मिसाइल हमलों के साथ जवाब दिया है। सालों पुराना हमास–इजरायल युद्ध के अब ईरान और पश्चिम एशिया के कुछ अन्य हिस्सों में फैलने का खतरा है। इसी तरह, दो साल पुराना रूस–यूक्रेन

भारतीयों को आनवंशिक रूप से

गैर-संक्रामक रोग मसलन हृदय

रोग, मधुमेह, कैंसर व मोटापा शेष

विश्व के लोगों के मुकाबले कई

साल पहले हो जाता है, देश में आध

ो वयस्कों की शारीरिक निष्क्रियता

की रिपोर्ट परेशान करती है। विश्व

विख्यात मेडिकल पत्रिका लांसेट

ने विश्व स्वास्थ्य संगठन की

मार्गदर्शिका का हवाला देते हुए

बताया था कि भारतीय जींस इन

गैर संक्रामक रोगों के प्रति बेहद

संवेदनशील हैं। हमें ये रोग अन्य

देशों के मुकाबले दस साल पहले

हो सकते हैं। लेकिन नियमित

शारीरिक श्रम से हम इन रोगों को

टाल सकते हैं। विश्व जनसंख्या

समीक्षा का निष्कर्ष है कि हमारा

देश विश्व फिटनेस रैंकिंग में 112वें

स्थान पर आता है। यही वजह है

कि भारत के आधे वयस्क सामान्य

शारीरिक निष्क्रियता की वजह से

कई गैर संक्रामक रोगों से जूझ रहे

हैं। छोटे से देश ताइवान की

शारीरिक सक्रियता के प्रति

जागरूकता देखिए कि फिटनेस में

वह शीर्ष दस एशियाई देशों में

शुमार है। दरअसल, देश में शारीरिक

युद्ध एक बुरा मोड़ ले सकता है, से पाँच प्रतिशत अधिक था। 2024 रहा है, और सितंबर 2024 तक, 100 मीट्रिक टन से अधिक की वृद्धि

आत्मघाता

क्योंकि उत्तर कोरिया रूस में सेना भेज रहा है, जिससे यूक्रेन पर दबाव बढ रहा है। पिछले हफ्दो, पेंटागन ने पुष्टि की कि लगभग 10,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को प्रशिक्षण के लिए रूस भेजा गया है और माना जा रहा है कि वे श्अगले कुछ हफ्प्तोंठ्ठा में यूक्रेन के खिलाफ लड़ाई में शामिल हो जायेंगे। कई क्षेत्रों में भ-राजनीतिक स्थिति गंभीर है। शायद यही कारण है कि अनेक देशों के केंद्रीय बैंक भारी मात्रा में सोना खरीद रहे हैं। 2024 की पहली छमाही के दौरान, केंद्रीय बैंकों ने रिकॉर्ड 483 टन सोना खरीदा, जो 2023 में 460 टन के पिछले रिकॉर्ड की पहली छमाही में तुर्की सोने का सबसे बड़ा खरीदार था, जिसने 45 टन सोना खरीदा। भारतीय रिजर्व बैंक 2024 में लगातार सोना खरीद इसने अपने घरेल सोने के भंडार में

पोलैंड का राष्ट्रीय बैंक भारत के साथ संयुक्त रूप से सबसे बड़ा स्वर्ण खरीदार बन गया है। चीन पिछले 18 महीनों से अपने स्वर्ण भंडार में लगातार वृद्धि कर रहा है। देश का केंद्रीय बैंक पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना अपनी परिसंपत्तियों में विविधता लाने, विदेशी मुद्राओं पर अपनी निर्भरता कम करने, मौद्रिक नीति में लचीलापन बढाने, बढती अर्थव्यवस्था का समर्थन करने और वित्तीय सुरक्षा बढ़ाने के लिए अपने स्वर्ण भंडार में वृद्धि कर रहा है। उभरते बाजार के सभी बैंक सोना खरीद रहे हैं। केंद्रीय बैंक डॉलर से अलग अपनी आरक्षित परिसंपत्तियों में विविधता लाने और अपने भंडार को मजबूत करने के लिए सोना खरीद रहे हैं। यह प्रवृत्ति डी–डॉलरीकरण के व्यापक विषय का हिस्सा है। संयोग से, चांदी की कीमतें भी इसी के साथ बढ़ रही हैं। भारतीय अमीर मध्यम वर्ग द्वारा सोने की निरंतर घबराहट भरी खरीद के

कारण, देश में पीली धातु की खुले बाजार की कीमतें लगातार बढ रही हैं। पिछले साल अक्टूबर के मध्य में, 22 कैरेट सोने की कीमतें 53,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 24 कैरेट सोने की कीमतें 58,530 रुपये प्रति 10 ग्राम थीं। कुछ ही महीनों में, इस साल 31 जनवरी को 24 कैरेट सोने की कीमत 63,970 रुपये प्रति 10 ग्राम, 22 कैरेट सोने की कीमत 58,650 रुपये प्रति 10 ग्राम थी। चांदी की कीमत 76.500 रुपये प्रति किलोग्राम थी। पिछले महीने के अंत में. दिल्ली में सोने की कीमत 81,343 रुपये प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गयी। राष्ट्रीय राजधानी में चांदी की कीमत 103,200रुपये प्रति किलोग्राम थी। हालांकि नवंबर में कीमतें अस्थायी रूप से थोडी कम हो सकती हैं, लेकिन आने वाले शादी के मौसम में वे फिर से बढ़ने के लिए बाध्य हैं।

अमीर लोग मुद्रास्फीति के खिलाफ सुरक्षा के लिए लगातार अपनी अतिरिक्त रुपये की संपत्ति



गिरावट का क्या यह निष्कर्ष

सक्रियता व सेहत के प्रति राष्ट्रीय निकाला जाए कि हम संपन्नता के साथ आलसी हो गए हैं? यानी आय बढने के साथ हम शारीरिक गतिविधि ायों के प्रति उदासीन हो गए हैं? क्या भारतीयों की जीवन शैली शारीरिक सक्रियता के विमुख होती जा रही है? यह एक हकीकत है कि जैसे-जैसे हमारे जीवन स्तर में वृद्धि हुई और हमारा खान–पान समृद्ध हुआ, हमने प्रमाद की राह चुन ली। हम दफ्तर कार-स्कूटर से जाते हैं, आराम कुर्सी पर काम करते हैं, घर आकर सोफे पर पसर जाते हैं, टीवी,लेपटॉप व मोबाइल डुब जाते हैं। लेकिन पैदल चलने की जहमत नहीं उठाते। हम सीढ़ी चढ़ने के बजाय लिफ्ट या एलीवेटर को तरजीह देते हैं। सब्जी मंडी कार से जाते हैं। ऑन लाइन मार्केटिंग के जमाने में हम घर बैठे ही सब कुछ हासिल कर लेते हैं। खाना ऑनलाइन मंगा लेते हैं। तभी बड़े बाजारों की रौनक गायब है। घर का काम हमने कामवाली और नौकर-चाकरों पर छोड़ दिया है। शरीर के स्वस्थ रहने का अपना नियम है। जितने

चलेगा। हमारे पूर्वजों ने तमाम तीर्थ विकट भौगोलिक स्थितियों वाले स्थलों व पर्वतों पर स्थापित किए थे, ताकि शारीरिक श्रम से हम स्वस्थ रह सकें। हम बड़े तीर्थस्थल वाहनों या हैली सेवाओं से पहुंच रहे हैं। सुविधा सेहत की द्विधा पैदा करती है। जब शरीर से पसीना निकलता है तो शरीर में बीमारी पैदा करने वाले विजातीय द्रव्य भी बाहर निकलते हैं। शरीर के रोम-रोम पसीने से साफ होते हैं और शरीर हमारी त्वचा से भी ऑक्सीजन ग्रहण कर लेता है। योग व प्राकृतिक चिकित्सा का सिद्धांत है कि शरीर के जिस भी हिस्से में ऑक्सीजन की कमी होती है, वह रोगग्रस्त हो जाता है। यही वजह है कि हम प्राणायाम के जरिये शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढाकर स्वस्थ रहते हैं। हम नियमित रूप से आसन, प्राणायाम व ध्यान के जरिये तंद्रुस्त रह सकते हैं। तमाम शोध-अनुसंधान इसके जरिये मनोकायिक रोग दूर होने की बात की पृष्टि कर रहे हैं। हमें अपनी योग व प्राकृतिक चिकित्सा की समृद्ध विरासत का लाभ उठाना चाहिए।

जीडीपी में दुनिया में भारत की अनुमानित प्रति व्यक्ति आय रैंक 136वीं है, जो 2022 मंध् 2,089.73 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी है। देश ने दुनिया में सोने का पांचवां सबसे बडा आयातक होने का गौरव प्राप्त किया है, जो वैश्विक आयात का नौ प्रतिशत से अधिक है। 2023–24 में भारत का सोने का आयात साल-दर-साल 30 प्रतिशत बढा है। अगस्त 2024 में, भारत ने रिकॉर्ड सोने के आयात की सूचना दी, जो कुल 10 अरब डॉलर था, जो पिछले महीने से तीन गुना वृद्धि थी। इस वर्ष के दौरान, भारत ने पहले चार महीनों में 2023 की तुलना में अधिक चांदी का आयात किया। फरवरी 2024 में, भारत का चांदी का आयात रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया, और वर्ष में 66 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद थी। भारत का सोना और चांदी का आयात मुख्य रूप से पांच देशों से होता है, जिसमें स्विट्जरलैंड सोने के आयात का प्राथमिक स्रोत है, जबकि इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात, गिनी और बोलीविया हैं। 2023—24 में यूएई से भारत के सोने और चांदी के आयात में 210 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। दिलचस्प बात यह है कि भारत शायद दुनिया का एकमात्र ऐसा देश है जहां निजी सोने की जमाखोरी का अधिकांश हिस्सा निम्न मध्यम आय वर्ग के पास है। चीन में, उच्च मध्यम आय वर्ग के पास देश की सोने की बचत का अधिकांश हिस्सा है। लगभग हर जगह, उच्च आय वर्ग के पास निजी सोने की अधिकांश जमाखोरी होती है। दुनिया के शीर्ष निजी सोना जमा करने वाले देशों में शामिल हैंरू अमेरिका (8,133 टन), जर्मनी (3,352 टन), इटली

(2,452 टन), फ्रांस (2,437 टन), चीन (2,264 टन), जापान (846 टन), भारत (841 टन) और नीदरलैंड (612 टन)। सोना शायद एकमात्र ऐसी वस्तु है, जिसकी मांग कीमत के साथ बढ़ती है। चालू वर्ष की तीसरी तिमाही (क्त3) के परिणामों के अनुसार, कुल सोना मांग में साल दर साल रिकॉर्ड पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह मजबूती सोने की कीमत में परिलक्षित हुई, जो तिमाही के दौरान कई नये रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गयी। मांग का मूल्य साल दर साल 35 प्रतिशत बढ़कर पहली बार 100अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के अनुसार, सोने की छड़ और सिक्कों में निवेश (269 टन) में साल दर साल नौ प्रतिशत की गिरावट आयी, जो कि 2023 की अपेक्षाकृत मजबूत तीसरी तिमाही से कम है। गिरावट का अधिकांश हिस्सा दो या तीन प्रमुख बाजारों तक सीमित था, जिसे भारत में एक बह्त मजबूत तिमाही द्वारा संतुलित किया गया। भारत में मजबूत वृद्धि के बावजूद सोने के आभूषणों की खपत (459 टन) में साल दर साल 12 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि उपभोक्ताओं ने कम मात्रा में खरीदारी की, लेकिन सोने के आभूषणों पर उनका खर्च बढ़ गया। मांग का मूल्य साल दर साल 13 प्रतिशत बढकर 36 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया। वैश्विक स्वर्ण मृल्यों को नियंत्रित करने वाले सामान्य कारक जैसे भू–राजनीतिक तनाव, मुद्रास्फीति संबंधी दबाव, केंद्रीय बैंक की खरीद, बांड प्रतिफल और अमेरिकी डॉलर की मजबूती या कमजोरी आदि भारत के विशाल निम्न मध्यम आय वर्ग को चिंतित नहीं करते हैं।

निष्क्रियता

सोच विकसित करने की जरूरत होती है। जिन देशों, मसलन सिंगापुर, जापान व दक्षिण कोरिया ने फिटनेस रैंकिंग में अव्वल स्थान पाया है, वहां की सरकारों ने इसके लिये विशेष प्रोत्साहन योजनाएं क्रियान्वित की हैं। जिसके फलस्वरूप सेहत ने को लेकर सक्रियता जन–आंदोलन का स्थान लिया है। कमोबेश, योग को लेकर ऐसा अभियान प्रधानमंत्री मोदी की पहल से पूरी दुनिया में शुरू हुआ, लेकिन हमने उसे 21 जून विश्व योग दिवस के आसपास सीमित कर दिया। योग हमारी दैनिक जीवन शैली का अभिन्न हिस्सा होना चाहिए। प्रसिद्ध मेडिकल जर्नल लांसेट की रिपोर्ट चौंकाती है कि आधे वयस्क भारतीय शारीरिक रूप से निष्क्रिय हैं। यह प्रतिशत वर्ष 2000 में करीब बाइस फीसदी था। एक विरोधाभासी तथ्य यह है कि तब भारत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद के हिसाब से तेरहवें स्थान पर था और आज जब भारत पांचवें स्थान पर है तो उसकी शारीरिक निष्क्रियता दुगुनी से अधि ाक हो गई है। ऐसे में जीडीपी वृद्धि के साथ शारीरिक सक्रियता में हम चलेंगे, जीवन उतना लंबा अवतार क्रान्ति (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, ०८ नवम्बर २०२४

सक्षिप्त खबरें

जेएन मेडिकल कालज में एमडी रेजिडेंट्स के लिए पोस्ट ग्रेजुएट प्रयोगशाला का उद्घाटन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय की डीन प्रोफेसर वीणा माहेश्वरी ने फिजियोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर मोहम्मद असलम के साथ एमडी रेजिडेंट्स के लिए पोस्ट ग्रेजुएट प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। पोस्ट ग्रेजुएट प्रयोगशाला को पोस्ट ग्रेजुएट छात्रों को उनके शोध और थीसिस कार्यों में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है जिसमें जैव रासायनिक मापदंडों का अनुमान लगाना शामिल है। प्रयोगशाला जैव रासायनिक विश्लेषण की सुविधा के लिए पूरी तरह सुसज्जित है। इस अवसर पर प्रो. मीनाक्षी गुप्ता, प्रो गूल–अर नवी खान, डॉ. एस. एजाज ए. रिजवी, डॉ. एस.एम.ए. वसीम डॉ. अनवर एच. सिद्दीकी, डॉ. अहमद फराज और डॉ. तनूज माथूर सहित सभी रेजिडेंट्स और लैब इंचार्ज और लैब तकनीशियन भी मौजूद रहे

एएमयू स्कॉलर ने जर्मनी के प्रतिष्ठित समर स्कूल में भाग लिया

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग की शोध छात्रा अमीना फातिमा अल्वी ने जर्मनी के ऐतिहासिक क्लॉस्टर डूबेक में आयोजित प्रतिष्ठित समर स्कूल में भाग लिया। क्लस्टर ऑफ एक्सीलेंस इन प्लांट साइंसेज (सीईपीएलएएस) और लीबनिज इंस्टीट्यूट ऑफ प्लांट जेनेटिक्स एंड क्रॉप प्लांट रिसर्च (आईपीके) द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में दुनिया भर के लगभग 40 शोधकर्ताओं ने प्लांट साइंस में नवाचारों पर चर्चा की। प्रो. नफीस ए. खान के मार्गदर्शन में, अल्वी ने प्रतिष्टित फीमेल अर्ली करियर रिसर्चर्स ग्रांट प्राप्त की, जिससे वे भारत से एकमात्र प्राप्तकर्ता बन गईं। 1500 यूरो तक का यह प्रतिस्पर्धी अनुदान मजबूत अकादिमक रिकॉर्ड और शोध उत्कृष्टता को बढ़ावा देकर विज्ञान में महिलाओं का सहयोग करता है। अमीना फातिमा अल्वी ने अपना शोध ा प्रस्तुत किया और खाद्य सुरक्षा, जीन हेरफेर और वैज्ञानिक लेखन संचार और नेटवर्किंग पर कार्यशालाओं में भाग लिया।

एबीके स्कूल में इंटर-स्कूल कोलाज मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

अलीगढ़। सर सैयद दिवस समारोह के तहतएएमयू एबीके हाई स्कूल गर्ल्स द्वारा आयोजित कोलाज-मेकिंग प्रतियोगिता में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने अपने विषय के अनुसार दिलचस्प प्रदर्शन बनाने के लिए पुराने समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, अन्य अपशिष्ट पदार्थों, कैंची और गोंद का उपयोग किया। एबीके गर्ल्स की कहकशां ने प्रथम पुरस्कार जीता, जबिक एबीके बॉयज के तल्हा खान और एबीके गर्ल्स की अफनान हसन ने संयुक्त रूप से दूसरा पुरस्कार जीता। एएमयू गर्ल्स स्कूल की आफरीन को तीसरा पुरस्कार मिला। एएमयू गर्ल्स स्कूल की रिजवा राभी को विशेष पुरस्कार दिया गया, जबकि एएमयू सिटी गर्ल्स स्कूल के सलीम दिलशाद को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। उप प्राचार्य डॉ. सबा हसन ने अतिथियों का स्वागत किया और कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए समन्वयक डॉ. फरहत परवीन और कार्यक्रम प्रभारी फाखरा यासीन और अर्शी खानम को बधाई दी।

एएमयू में राष्ट्रीय एकता दौड का आयोजन

अलीगढ । अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) चौप्टर द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में बाब-ए-सैयद से शताब्दी द्वार तक और वापस राष्ट्रीय एकता एवं फिट इंडिया दौड़ का आयोजन किया गया। एएमयू रजिस्ट्रार मोहम्मद इमरान (आईपीएस) ने दौड को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय के छात्रों से बड़ी संख्या में ऐसी गतिविधियों में भाग लेने का आग्रह किया क्योंकि यह समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक है। एनएसएस के कार्यक्रम समन्वयक डॉ अरशद हुसैन ने प्रतिभागियों का स्वागत किया और इस दौड़ को सफलतापूर्वक प्रबंधित करने में मदद करने वाले स्वयंसेवकों की भूमिका की सराहना की। इस दौड़ में विश्वविद्यालय के 100 से अधि ाक छात्रों ने भाग लिया। उन्होंने कहा कि दौड़ पूरी करने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया जाएगा और पहले तीन प्रतिभागियों को उचित पुरस्कार दिए जाएंगे।

एएमयू प्रोफेसर ने बीएचयू में पेपर प्रस्तुत किया और व्याख्यान की अध्यक्षता की

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज (जेएनएमसी) के एनाटॉमी विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर फजल उर रहमान ने बीएचय्, वाराणसी में 30वें युपीएसआईसीओएन–2024 में भाग लिया और सकल और नैदानिक शरीर रचना श्रेणी के तहत 'घटने की आकृति विज्ञान का विश्लेषण और उत्तर प्रदेश की आबादी में घुटने के आश्रीप्लास्टी प्रोरथेसिस डिजाइन पर इसका प्रभाव' विषय पर एक पेपर प्रस्तुत किया। उन्होंने फीमर के निचले सिरे के आयामों और सर्जरी के दौरान उपलब्ध और लागू प्रत्यारोपण के बेमेल मामलों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि फीमर के निचले सिरे की आकृति विज्ञान क्षेत्र के अनुसार भिन्न होती है, इसलिए टीकेआर की विफलता दर की जांच करने के लिए किसी विशिष्ट आबादी के लिए कृत्रिम अंग डिजाइन करते समय इस पर विचार करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने प्रोफेसर सबिता मिश्रा, एमएएमसी, दिल्ली द्वारा 'भावनाओं को समझने में एमिग्डाला की भूमिका' पर एक व्याख्यान की और एक वैज्ञानिक सत्र की अध्यक्षता भी की। प्रो. रहमान को दो साल के लिए यूपी एनाटॉमिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया का कार्यकारी सदस्य नियुक्तभी किया गया।

दूरस्थ शिक्षा केन्द्र में वित्तीय शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन

अलीगढ़। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र द्वारा राष्ट्रीय प्रतिभृति बाजार संस्थान (एनआईएसएम) की साझेदारी में युवा नागरिकों के लिए दो दिवसीय वित्तीय शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय निवेश और प्रतिभृति बाजार के बारे में आवश्यक ज्ञान से परिचित कराना था। अपने उद्घाटन भाषण में केंद्र के निदेशक प्रोफेसर मोहम्मद नफीस अहमद अंसारी ने कहा कि आज के बदलते माहौल में, बचत और निवेश के बारे में सही निर्णय लेने के लिए वित्तीय साक्षरता महत्वपूर्ण है। इस से छात्रों को प्राथमिक और द्वितीयक बाजार, म्यूचुअल फंड, प्रतिभूतियों और निवेश की गतिशीलता के बारे में जानकारी मिलती है। एनआईएसएम के संसाधन व्यक्ति डॉ. अकीलूर्रहमान ने कहा कि व्यावहारिक दृष्टिकोण न केवल छात्रों को विभिन्न निवेश विकल्पों से परिचित कराता है, बल्कि वित्तीय क्षेत्र में प्रमुख सावधानियों और संभावित कैरियर पथों पर भी जोर देता है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट निवेश रणनीतियों और वित्तीय नियोजन के ज्ञान के साथ, छात्र अपने वित्त का प्रबंधन करने और सुरक्षित भविष्य को आकार देने के लिए बेहतर तरीके से तैयार होते हैं।

सर सैयद दिवस समारोह के तहत अंतर-विद्यालय नज्म-ख्वानी प्रतियोगिता आयोजित

अलीगढ। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय गर्ल्स स्कूल द्वारा सर सैयद दिवस समारोह के उपलक्ष्य में अंतर-विद्यालय नज्म-ख्वानी (कविता पाठ) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विवि के आठ स्कलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में कुल 22 प्रतिभागियों ने अपनी काव्य प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिन्हें दो समूहों में विभाजित किया गया था। सीनियर सेकेंडरी ग्रुप–ए के तहत, सैयद हामिद सीनियर सेकेंडरी स्कल (बॉयज) के सैयद अबरार अहमद और सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) की हिबा साबिर और नबीला नौशीन ने पहला पुरस्कार साझा किया, जबकि दूसरा पुरस्कार एएमयू गर्ल्स स्कूल की किन्जा खान को मिला। तीसरा

फंदे से लटकता मिला युवक का शव

बांदा। बांदा शहर कोतवाली क्षेत्र के बिजली खेड़ा में एक युवक ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान शिव सागर के रूप में हुई है। घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह परिजनों ने उसे फांसी पर लटका देखा। घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंचकर दरवाजा तोड़कर युवक को फांसी के फंदे से उतारा। पुलिस टीम जांच पडताल कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों के अनुसार, शिव सागर ने हाल ही में दीपावली से पहले एक सीएनजी गाड़ी खरीदी थी। वह पिछली शाम भी घर आया था। खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चला गया। परिजनों ने युवक के आत्महत्या करने का कारण स्पष्ट नहीं बताया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। ताकि आत्महत्या के पीछे की वजह का



पुरस्कार एसटीएस स्कूल के अब्दुल कय्यूम और आरएमपीएस एएमयू सिटी स्कूल के मोहम्मद हम्माद खावर ने साझा किया। आरएमपीएस एएमयू सिटी स्कूल के मोहम्मद आरिफ जमाल को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। एएमयू गर्ल्स स्कूल की समिया असद और आरएमपीएस एएमयू सिटी स्कूल के हुजैफा राशिद ने सेकेंडरी ग्रुप–बी के तहत संयुक्त रूप से पहला पुरस्कार जीता, जबकि एसटीएस स्कूल के असद रियाज और एएमयू एबीके स्कूल बॉयज के अरशान अहमद और मोहम्मद साकिब ने दूसरा पुरस्कार जीता। एएमयू एबीके स्कूल गर्लस की अदीबा

मनोविज्ञान विभाग में संवादात्मक

अलीगढ़,। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा विभाग के स्नातक, परास्नातक छात्रों और शोधार्थियों के लिए महिला विकास निगम, जम्मु और कश्मीर की पूर्व प्रबंध निदेशक और एएमयु की पर्व छात्रा प्रोफेसर मसदा यासीन द्वारा संवादात्मक चर्चा का आयोजन किया गया। छात्रों को संबोधित करते हुए प्रोफेसर यासीन ने एएमय में एक छात्रा के रूप में अपने जीवन के किस्से साझा किए और मनोविज्ञान विभाग का विशेष उल्लेख करते हुए विश्वविद्यालय के प्रति आभार व्यक्त किया, जहां उन्होंने अपनी उच्च शिक्षा परी की ।उन्होंने जीवन में अधिक सफलता प्राप्त करने के लिए शैक्षिक गतिविधियों के अलावा कौशल और क्षमताओं को विकसित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने खुद को समाज के लिए एक मुल्यवान संपत्ति बनाने में सामाजिक विकास की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षा और मानसिक विकास प्रक्रियाओं के महत्व पर बोलते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे ये तत्व किसी व्यक्ति के शैक्षिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्रों से समाज की बेहतरी और सामाजिक पुनर्वास के लिए काम करने का आग्रह किया। इससे पूर्व अतिथि वक्ता का स्वागत करते हुए विभाग के अध्यक्ष प्रोफेसर शाह आलम ने वक्ता का परिचय कराया और उन्हें रमृति चिन्ह भेंट किया। उन्होंने कहा कि प्रोफेसर मसूदा यासीन ने 1970 में महिला महाविद्यालय श्रीनगर में मनोविज्ञान विभाग की स्थापना करके अपने पेशेवर सफर की शुरुआत की थी। 1986 में उन्होंने कश्मीर में पहला महिला पॉलिटेक्निक स्थापित करके एक अग्रणी कदम उठाया। 2006 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद से वह सामाजिक उत्थान गतिविधियों में शामिल रही हैं। शफाक उस्मानी ने कार्यक्रम का संचालन

चर्चा का आयोजन

और दरक्शां ने तीसरा परस्कार साझा किया। विमेंस कॉलेज के उर्दू विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. मोहम्मद हनीफ खान और एएमयू के पूर्व शिक्षक श्री अहमद ह्सैन, एएसवीसी ने प्रतियोगिता का निर्णय किया। इस अवसर पर इंटर स्कूल पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता, इंट्रा स्कूल कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता और इंटा स्कल नज्म ख्वानी प्रतियोगिता सहित पर्व में आयोजित कार्यक्रमों के परिणाम भी घोषित किए गए।अंतर विद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता में सैयद हामिद सीनियर सेकेंडरी स्कूल (बॉयज) के लवनेश आनंद और सैयद अबरार अहमद तथा एएमयू गर्लस स्कूल की मदीहा इमरान ने संयुक्त रूप से प्रथम पुरस्कार जीता, जबकि दूसरा पुरस्कार एएमयू गर्ल्स स्कूल

स्कूल (गर्ल्स) की फलक नूर को मिला। तीसरा पुरस्कार एसटीएस स्कूल की महदी फजल और एएमयू एबीके स्कूल (गर्ल्स) की नमिता शर्मा ने संयुक्त रूप से जीता। आरएमपीएस एएमयू सिटी स्कूल के करण कुमार, सीनियर सेकेंडरी स्कूल (गर्ल्स) की जईमा अर्श और एएमयू सिटी गर्ल्स स्कूल की इल्मा जमील को सात्वना पुरस्कार दिया गया। अंतर विद्यालय कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता में तेबा, आयशा खान और आयशा फातिमा ने क्रमशरू प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार जीता, जबकि फलक फातिमा को सांत्वना पुरस्कार के लिए चुना गया। अंतर विद्यालय नज्म ख्वानी प्रतियोगिता में समिया असद और शमिला अजीज ने क्रमशरू प्रथम और

द्वितीय पुरस्कार जीता, जबकि अलीना मलिक और सिदरा अशरफ ने संयुक्त रूप से तीसरा पुरस्कार जीता। टीया सिंह को सात्वना पुरस्कार दिया गया। स्कूल की प्रिंसिपल आमना मलिक ने सांस्कृतिक प्रभारी अशी जफर खान और इवेंट इंचार्ज जेबा नवाज के साथ मिलकर कार्यक्रमों की देखरेख की। श्रीमती मलिक ने सर सैयद अहमद खान के आदर्शों पर प्रकाश डाला और कहा कि ऐसे आयोजन छात्रों में सांस्कृतिक विरासत के प्रति प्रशंसा और मैत्रीपर्ण प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देने में मदद करते हैं।बुशरा अशरफ और मदीहा इरफान ने कार्यक्रम का संचालन किया, जबकि सिफत मिर्जा ने परिणामों की घोषणा की और इनाया फिरदौस ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

धर्मशास्त्र संकाय द्वारा भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित

अलीगढ। अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के धर्मशास्त्र संकाय द्वारा सर सैयद दिवस समारोह के तहत विश्वविद्यालय स्तरीय भाषण एवं लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अध्यक्षता अलीगढ मुस्लिम विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद गुलरेज ने की तथा जवाहर लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य एवं सीएमएस प्रो. वीणा माहेश्वरी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हईं। अध यक्षीय भाषण में प्रोफेसर मोहम्मद गुलरेज ने सर सैयद की शैक्षिक, स्धारात्मक, वैज्ञानिक और साहित्यिक सेवाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सर सैयद की दूरदर्शिता और कड़ी मेहनत ने शिक्षा और प्रशिक्षण के क्षेत्र में एक क्रांति पैदा की और पूरी दुनिया दो शताब्दियों से इससे लाभान्वित हो रही है। उन्होंने छात्रों को बधाई

जिसमें मजार और मस्जिद भी

शामिल हैं, जिनकी शिकायत

प्रशासन से की जा चुकी है, लेकिन

अब तक कोई कार्रवाई नहीं की

गई है। यह विवाद 2022 में शुरू

हुआ था जब हिंदू संगठनों ने जिला

प्रशासन को मजार और मस्जिद

इसके खिलाफ कार्रवाई करेगा।

देते हुए कहा कि छात्रों के बोलने और लिखने के कौशल को बढाने के लिए ऐसे कार्यक्रम होने चाहिए और उन्हें सर सैयद की सोच, साहस और सरोकार से पूरी दुनिया को प्रभावित करना चाहिए। मुख्य अतिथि प्रोफेसर वीणा माहेश्वरी ने प्रतियोगिता कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए छात्रों और आयोजकों को बधाई दी और कहा कि इस तरह के कार्यक्रम छात्रों के शैक्षणिक कौशल को सामान्य बनाने और बढ़ाने में मौलिक भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के संरक्षक, प्रोफेसर तौकीर आलम फलाही, डीन, ६ ार्मशास्त्र संकाय, ने उद्घाटन भाषण में अध्यक्ष और विशेष अतिथि का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम के आयोजन के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से पूरा सहयोग मिलता रहा है। उन्होंने पुरस्कार विजेता छात्रों

को बधाई दी और प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य सभी छात्रों को प्रोत्साहित किया। भाषण प्रतियोगिता का शीर्षक 'सर सैयद एवं राष्ट्रीय कल्याण' था। इस प्रतियोगिता में 63 छात्रों ने भाग लिया, जिनमें से सुमिया इकबाल प्रथम, रूफा द्वितीय, जरीन और अहमद फराज तृतीय, बदरा आलम और मृहम्मद समीर को विशेष परस्कार से सम्मानित किया गया। जबकि लिखित प्रतियोगिता का शीर्षक 'वर्तमान युग में सर सैयद आंदोलन का अर्थ' था जिसमें 56 छात्रों ने भाग लिया और उनमें से इरम इजहार, अबू मुअज और मुहम्मद शाह नवाज को क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय घोषित किया गया और महविश आरा को विशेष पुरस्कार दिया गया। कार्यक्रम की विस्तृत रिपोर्ट उप संयोजक डॉ. मोहम्मद सोहेल कासमी ने प्रस्तुत की

जीआईपी मॉल में महिला ने किया सुसाइड,चीथे फ्लोर की सीढ़ियों से लगाई छलांग

नोएडा। नोएडा के सेक्टर—39 स्थित जीआईपी मॉल में एक महिला ने चौथी मंजिल की इमरजेंसी एग्जिट की सीढियों से कुदकर सुसाइड कर लिया। महिला की पहचान 36 साल की आकांक्षा सूद के रूप में हुई है। वह करावल नगर दिल्ली की रहने वाली थी। घटना बुधवार रात की है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम करवाकर परिजनों को सौंप दिया है। महिला के पास से कोई सुसाइड नहीं मिला है। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया परिजनों से पूछताछ में मृतका के भाई-भाभी ने बताया कि हम लोग दिल्ली के रहने वाले है। आकांक्षा की शादी वहीं पर हुई थी। नोएडा से कोई संबंध नहीं है। शादी के 15 दिन बाद आकांक्षा का अपने पति से विवाद हो गया था। तलाक का केस चल रहा था। इस कारण वह मानसिक तनाव में रहती थी। इसी के चलते उसने सुसाइड किया। डीसीपी राम बदन सिंह ने बताया कि 2017 में इसकी शादी हुई थी। और 15 दिन बाद ही मायके आ गई थी। कल रात को मोबाइल घर पर ही छोड़ कर आई थी। इसके बाद इसने सुसाइड किया। आधार कार्ड से इसकी पहचान की गई। इसके बाद परिजनों को फोन किया गया। थाना सेक्टर-39 के प्रभारी ने बताया मामले की गहन जांच की जा रही है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की जांच कर रही है और परिजनों के बयान दर्ज किए जा रहे हैं। वहीं, मॉल में लगे सीसीटीवी को देखा जा रहा है। बताया गया कि महिला अकेले ही मॉल में आई थी। उसने गेट नंबर-3 से एंटी की। इसके बाद चौथे मंजिल पर एग्जिट गेट पर बनी सीढियों के पास गई और वहां से कूद गई। बता दें कि इन सीढियों के बहुत कम लोग ही आते-जाते हैं। ऐसे में यहां भीड नहीं रहती। ये फायर एग्जिट सीढ़ियां होती है।

वामदेव पर्वत पर बनी मजार और मस्जिद को लेकर विवाद

विश्व हिंदू परिषद ने बताया अवैध निर्माण, शिकायत कर ध्वस्तीकरण की उठाई मांग

बांदा। जिले में वामदेव पर्वत के पास स्थित मजार और मस्जिद अब विवाद का केंद्र बन गए हैं। विश्व हिंदु परिषद (विहिप) ने मुख्यमंत्री और सभी प्रशासनिक अधि ाकारियों को शिकायती पत्र भेजते हुए इस मजार और मस्जिद को अवैध बताते हुए इनको तत्काल ध वस्त करने की मांग की है। विहिप का कहना है कि कोरोना काल के दौरान कुछ कट्टरपंथियों ने चुपके से इस क्षेत्र में मजार और मस्जिद का निर्माण किया है, जो हिंदू ध गर्मिक आस्था के केंद्र वामदेवेश्वर मंदिर और पर्वत के नजदीक स्थित है। यह निर्माण पूरी तरह अवैध है और इसे तुरंत गिरा दिया जाना चाहिए। विश्व हिंदु परिषद के अध यक्ष चंद्र मोहन बेदी ने मुख्यमंत्री और जिलाधिकारी को भेजे गए शिकायती पत्र में यह आरोप लगाया है कि कोरोना काल के दौरान मुस्लिम समुदाय के कुछ लोगों ने अवैध रूप से पहले मजार का



मस्जिद के बगल में रह रहीं सुनिया

पुलिस मुठभेड़ के बाद बदमाश गिरफ्तार,

राह चलते लोगों से करता था लूटपाट

कंपनी सेक्टर 60 के पास चेकिंग कर रही थी। चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध मोटर साइकिल सवार व्यक्ति आता हुआ

दिखाई दिया जिसे रोकने का प्रयास किया गया। मोटर

साइकिल सवार व्यक्ति नही रुका और भागने का प्रयास करने

लगा। पुलिस बल करीब 900 मीटर तक पीछा किया गया।

अपने को घिरता देख कर व्यक्ति द्वारा पुलिस पार्टी पर जान

से मारने की नीयत से फायर किया गया। जिसमें पुलिस की

ओर से जवाबी कार्यवाही में व्यक्ति की पैर में गोली लगी। और

वह नीचे गिर गया। इसकी पहचान बदमाश सोन् उर्फ मोटा हुई।

इसकी उम्र करीब 22 साल है। एडीसीपी मनीष मिश्र ने बताया

कि ये शातिर किस्त का अपराधी है। इसके दो और साथी है।

जिनकी तलाश की जा रही है। ये अपने साथियों के साथ

मिलकर राह चलते लोगों से लूटपाट करता था। ये पहले भी

जेल जा चुका है। इसके कब्जे से 01 अवैध तमंचा .315 बोर

जिन्दा व खोखा कारतूस .315 बोर बरामद किया गया। 5

मोबाइल फोन लूट व चोरी के बरामद किए गए। उपचार के लिए

जिला अस्पताल भेजा गया है। इससे पहले भी थाना सेक्टर-58,

थाना सेक्टर 49 और थाना फेस-2 नोएडा से लूट व चोरी के

मामलों में जेल जा चुका है। इस पर आधा दर्जन से ज्यादा

मुकदमे दर्ज है। इसका आपराधिक रिकार्ड खंगाला जा रहा है।

नोएडा। थाना सेक्टर-58 पुलिस टीम द्वारा आईनाइजर

निर्माण किया और बाद में मस्जिद बना दी। विहिप का कहना है कि शुक्रवार को वहां पर फतिहा और नमाज पढी जाती है, जो कि हिंद धार्मिक स्थल के पास होने के कारण हिंदू धर्मावलंबियों की भावनाओं को आहत करता है। बेदी का कहना है कि यह पुरा क्षेत्र हिंदु धार्मिक आस्था का केंद्र है, और इस पर अवैध निर्माण कर धार्मिक सौहार्द्र को प्रभावित किया गया है। मजार और

मजार पर निर्माण के बाद मस्जिद का निर्माण भी हुआ। वहीं, वामदेव पर्वत पर स्थित वामदेवेश्वर मंदिर के पुजारी पुत्तन तिवारी ने भी इस विवाद को गंभीर बताया। उनका कहना है कि इस पर्वत के चारों तरफ अवैध निर्माण किया गया है,

की अवैधता की शिकायत की थी। इसके बाद प्रशासन ने जांच की, जिसमें तहसीलदार ने अपनी आख्या में यह उल्लेख किया था कि मजार और मस्जिद पुरानी हैं और इनमें नाम की महिला ने बताया कि इस लाउडस्पीकर का इस्तेमाल नहीं क्षेत्र में कोरोनाकाल से पहले मजार किया जा रहा है। उपजिला अधि के पास भवन का निर्माण हुआ था। ाकारी ने भी अपनी आख्या जिला उनका कहना है कि यह जमीन प्रशासन को प्रस्तुत की थी। अब जमींदारों की बताई जाती है, और एक बार फिर विश्व हिंदू परिषद ने इस मुद्दे को उठाया है, जिससे माहौल गरमा गया है। इस मामले में एडीएम बांदा का कहना है कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है और इसकी जांच की जा रही है। यदि जांच में निर्माण अवैध पाया जाता है तो प्रशासन

चाकू मारकर युवक की हत्या,दीपावली से तीन दिन पहले हुआ था झगड़ा, आरोपी को मारा था थप्पड़

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-63 स्थित चोटपुर कॉलोनी में बुधवार रात दो पक्षों में हुई कहासुनी हो गई। इसमें एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। उसे बचाने आए दोस्त को भी चाकू मार कर घायल कर दिया गया। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ने के लिए टीम बना दी है। वहीं शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। इस मामले में तीन आरोपी फरार है। पुलिस की पांच टीम दबिश दे रही है। पुलिस ने बताया कि आशु अपने परिवार के साथ चोटपुर कॉलोनी में रहता था। उसके माता-पिता एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते हैं। ब्ध

ावार रात 9 बजे आश् की कॉलोनी



में रहने वाले पारुल और अमित से किसी बात को लेकर कहासूनी हो गई। दोनों पक्षों में जमकर मारपीट हुई। इसी बीच आशु को दूसरे पक्ष ने चाकू मारकर घायल कर दिया। उसे बचाने आया उसका दोस्त विशाल भी चाकू लगने से घायल हो गया। पुलिस

अस्पताल पहुंचाया। उपचार के दौरान आशु की मौत हो गई, जबिक विशाल का उपचार चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया कि दोनों के बीच

दीपावली के तीन दिन पहले आपस में झगड़ा हो गया था। इस दौरान मृतक ने आरोपी को थप्पड़ मार दिया था। उस दौरान आसपास के लोगों ने समझाकर शांत करा दिया। लेकिन आरोपी बदला लेना चाहता था। इसी के चलते बुधवार को भी दोनों पक्षों बाजी हो गई। इसमें आशु की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि करीब तीन महीने पहले पैसों के लेनदेन को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हुआ था। जिसके बाद से दोनों पक्षों की आपस में बातचीत बंद थी। बुधवार रात इसी बात को लेकर दोबारा से विवाद हुआ और चाकू बाजी हो गई। आशु पेशे से इलेक्ट्रिशियन है वहीं उसके माता-पिता दोनों ही प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते है। जबकि घायल विशाल की पारिवारिक स्थिति खराब होने के चलते उसे एक निजी अस्पताल में सेक्टर-24 में भर्ती कराया गया है। वहां उसकी हालत ठीक है।

के बीच झगड़ा हो गया और चाकू

अवतार क्रान्ति (हिन्दी दैनिक) लखनऊ, शुक्रवार, 08 नवम्बर 2024

रिटायर्ड जज की बेटी का मीत से पहले का सीसीटीवी,छत पर अकेले जाती नजर आई, अफसर पति पर हत्या का केस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में रिटायर्ड जज की बेटी प्रीति (35) का मौत से पहले कासीसीटीवी. सामने आया है। इसमें वह अकेले ही छत पर जाती हुई नजर आई है। बधवार शाम करीब साढ़े 5 बजे प्रीति की अपार्टमेंट की 10वीं मंजिल से गिरकर संदिग्ध हालात में मौत हो गई। प्रीति के पति रविंद्र कुमार द्विवेदी (40) पीएनबी बैंक में अफसर हैं। रिटायर्ड जज पिता एसपी तिवारी ने दामाद के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज कराई है। पुलिस ने रविंद्र को हिरासत में ले लिया है। प्रीति के पिता का आरोप है उनकी बेटी को उसके पति ने धक्का देकर गिराया। अगर वह कूदती तो दीवार से दूर गिरती, जबिक उसका शव दीवार के करीब पड़ा हुआ था। गरुवार सबह शव को पोस्टमॉर्टम किया गया। उधर, राजेंद्र द्विवेदी के समर्थन में कई साथी वकील पहुंचे। उन्होंने दावा किया रविन्द्र कुमार द्विवेदी बेकसूर हैं। उन्हें फंसाया जा रहा। घटना के समय रविंद्र बैंक में थे। घटना वृंदावन योजना सेक्टर—12 की है। 10वीं मंजिल की छत पर मृतका के चप्पल और कमरे से मोबाइल फोन मिला था। प्रीति की राजेंद्र से 2012 में शादी हुई थी। दो बेटे विश्वाम (11), अंजनेय (3) हैं। विश्वाम ने ही अपने नाना यानी प्रीति के पिता को मां को मौत की सूचना दी थी। जब परिवार वहां पहुंचा तो रविंद्र मौके पर नहीं मिला। वहीं रविंद्र ने पुलिस को बताया था कि उसकी पत्नी सीजोफ्रेनिया की मरीज थी, उसका इलाज चल रहा था। उसने बिल्डिंग से कूदकर सुसाइड कर लिया। 5 बजकर 16 मिनट पर महिला अकेले दसवीं मंजिल पर गई। वह चप्पल पहने हुए थी। इसी के बाद घटना हुई है। साथ में और कोई जाते हुए नहीं दिख रहा है। फ्लैट पर जांच करने के लिए पुलिस पहुंची है। पुलिस ने 10वीं मंजिल और 4 थी मंजिल पर जांच की है।

कथित सपा नेता के पिता बेटे को मुकदमे से बचाने के लिए दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों को नोटिस भेज बना रहा दबाव

लखनऊ। राजधानी में कथित सपा नेता के पिता की एक ओछी हरकत सामने आई है। दुष्कर्म के मामले में फंसे बेटे मो. हमजा दिलशाद को बचाने के लिए पिता दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों को कानूनी नोटिस भेज समझौते का दबाव बना रहा है। ऐसे में दुष्कर्म पीड़िता का एक वीडियो भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, वायरल हो रहे वीडियो की पुष्टि यूएनएस नहीं करता है। वायरल वीडियो में दुष्कर्म पीड़िता कैसरबाग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल खडे कर रही है। वीडियो में दृष्कर्म पीडिता ने बताया कि उसने सीआरपीसी 161 और 164 के बयान में कथित सपा नेता मो. हमजा दिलशाद व उसके पिता दिलशाद को आरोपित बनाया था, लेकिन बेटे को बचाने के लिए हमजा के पिता दिलशाद ने चार्जशीट से अपना नाम हटावा दिया। गौरतलब



करता था। दबाव देने आरोपित ने है कि 17 मार्च 2024 को अमीनाबाद के मौलवीगज निवासी दृष्कर्म पीडिता शादी से इंकार कर दिया। इसके (25) ने कैसरबाग कोतवाली में बाद दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों ने मोहल्ला ह्सैनी मस्जिद, जीपीओ आरोपित के पिता दिलशाद से संपर्क फूलबाग निवासी कथित सपा नेता किया, तब दिलशाद ने बेटे का पक्ष मो. हमजा दिलशाद और उसके पिता लेते हुए दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों दिलशाद के खिलाफ दुष्कर्म की को अपमानित किया। जिसके बाद प्राथमिकी दर्ज कराई थी। दुष्कर्म पीड़िता ने कैसरबाग कोतवाली में पीडिता का कहना है कि पिछले कई आरोपित पिता—पुत्र के खिलाफ वर्षों से मो. हमजा दिलशाद शादी एफआईआर दर्ज कराई थी। पीडिता का झांसा देकर उसका यौन शोषण का कहना है कि मजिस्ट्रेट के समक्ष

उसके सीआरपीसी 161 और 164 के बयान दर्ज हुए थे, उसने अपने बयान में मो हमजा दिलशाद और दिलशाद को आरोपित बनाया था। आरोप है कि चार्जशीट के दौरान कथित सपा नेता के पिता दिलशाद ने दर्ज प्राथमिकी से अपना नाम हटवाया दिया, ताकि दुष्कर्म पीड़िता पर दबाव बना बेटे को इस मामले से निकाल सके। पीड़िता का कहना है कि बेटे हमजा को दुष्कर्म के मामले से बचाने के लिए पिता दिलशाद उसके घर पर कानूनी नोटिस भेज उसे मानसिक रुप से प्रताडित कर रहा है। बताया कि दिलशाद नोटिस भेज जबरन समझौते का दबाव बना रहा है। मानसिक प्रताडना से तंग आकर दृष्कर्म पीडिता ने वीडियो वायरल कर मदद गृहार लगाई है। इसके साथ ही उसने कैसरबाग पुलिस की कार्यशैली पर सवाल भी खडे किए हैं।

लखनऊ पब्लिक कॉलेज, आम्रपाली योजना में वार्षिकोत्सव मना

लखनऊ। लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सेक्टर—ई, आम्रपाली योजना में वार्षिकोत्सव का आयोजन किया गया। इस वर्ष यह दिन शुभ था क्योंकि यह शाखा की उत्कृष्टता के दशक के जश्न का प्रतीक था। संस्थापक अध्यक्ष एवं सांसद-डॉ. एस. पी. सिंह,प्रशासनिक प्रमुख कांति सिंह, और सम्मानित निदेशक नेहा सिंह ने अपनी सौम्य उपस्थिति से इस अवसर की शोभा बढाई। विद्यालय प्रबंधन एवं अन्य सम्मानित महानुभावों का स्वागत लघु पौधा भेंट कर किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। यह संगीत कार्यक्रम दस वर्षों की यात्रा में अर्जित सभी उपलब्धियों की थीम पर आधारित था। कार्यक्रमों में दस की संख्या को दर्शाने वाली घटनाओं को दर्शाया गया। गायक मंडली ने खुद पर विश्वास करने और अपने सपनों को पुरा करने के लिए प्रेरित करने वाले दस मधुर गीत गाए। युवराज सिंह ने भी गायन मंडली



द्वारा गाए गए काव्यात्मक अंदाज में से दिखाया। दिवा सिंह और महर्षि कॉलेज की उपलब्धियों और सम्मान अग्निहोत्री ने देवी दुर्गा और महिषासुर का बखुबी प्रतिनिधित्व किया। कलिंग का वर्णन करते हुए अपने विचार व्यक्त किए। प्राइमरी स्तर के बच्चों युद्ध की एक और मंत्रमुग्ध कर देने के कार्यक्रम में एक नाटक के रूप में वाली प्रस्तुति ने भारतीय इतिहास में दस नैतिक मूल्यों को दिखाया गया महत्वपूर्ण क्षण का प्रदर्शन किया, जो जहां रिया, मुदब्बिरा और निशार्या ने महान अशोक द्वारा विजय और ईमानदारी, समर्पण, कड़ी मेहनत, आक्रामकता से शांति और नैतिक वैश्विक शांति और विविधता में एकता नेतृत्व के दर्शन में परिवर्तन का प्रतीक के महत्व को प्रदर्शित किया। जूनियर है, जो बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण स्तर के छात्रों ने बुराई पर अच्छाई संरक्षक बन गया। कार्यक्रम में मुख्य की जीत का प्रतीक देवी दुर्गा द्वारा किरदार अर्श खान, अय्यान और अभव राक्षस महिषासुर को हराने की दस विमल ने निभाये। स्कूल बैंड के दिनों की पौराणिक कहानी को खुबसुरती सार्थक मौर्य, संस्कृति, स्तव्या ने दस

रॉकिंग धुनें बजाईं। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण दस गौरवपूर्ण क्षणों का जश्न था, जिसमें शाखा ने खूबसूरती से अपनी प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मेनाहा सिंह ने सारा सिंह का प्रतिनिधित्व किया और हर्षित सिंह ने शाखा के चमकते सितारों अखंड प्रताप सिंह का प्रतिनिधित्व किया। दसवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में अपने माता-पिता के साथ नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्रों को सम्मान पत्र और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। प्रगति सिंह, प्रिंसी पटेल और अर्णव श्रीवास्तव शाखा के पहले तीन टॉपर थे। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त बाहरी उपलब्धियों को भी सम्मानित किया गया।कार्यक्रम का समापन धन्यवाद प्रस्ताव के साथ हुआ, ग्रैंड फिनाले में सभी प्रतिभागियों ने स्कूल एंथम पर वादा किया कि वे चमकेंगे और लखनऊ पब्लिक कॉलेज के झंडे को हमेशा आसमान में ऊंचा रखेंगे।

दुष्कर्म पीड़िता की मीत पर अखिलेश ने उठाया सवाल

कहा, भाजपावाले 'महिला सुरक्षा' पर क्या अब कोई बयान देना चाहेंगे

लखनऊ। प्रेमी के धोखा देने से और कहीं सुनवाई न होने से आहत युवती ने थाने में विषाक्त पदार्थ खा लिया जिससे उसकी मौत हो गई। इस घटना को लेकर सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि ऊपर-से-नीचे तक महा-भ्रष्टाचार में लिप्त भाजपा राज में पलिस के भ्रष्ट और अमानवीय व्यवहार से दखी होकर, महीनों की हताशा के बाद, दुष्कर्म की शिकार पीलीभीत की एक युवती का जहर खाकर आत्महत्या करना बेहद दुखद घटना है। इस बात की पृष्टि का सबूत मृतका द्वारा दिये गये वीडियो में दर्ज है। भाजपावाले 'महिला सुरक्षा' पर क्या अब कोई बड़बोला बयान देना चाहेंगे। अधिकारियों की बेईमानी में भाजपाइयों की हिस्सेदारी ही समस्या की मूल जड़ है। इसकी गहन जांच हो और जिसको भी इस घूस में हिस्सा मिला है, उस पर दंडात्मक कार्रवाई हो। उप्र सरकार अपने भ्रष्टाचार और हृदयहीन व्यवहार के लिए स्वयं 'निंदा-प्रस्ताव' पारित करे और अपने ही ऊपर 1 करोड़ का जुर्माना लगाए और मृतका के परिजनों को ये संवेदना राशि दे। जन-जन कहे आज का, नहीं चाहिए भाजपा! गौरतलब है कि पीलीभीत में एक दुष्कर्म पीड़िता ने थाना अध यक्ष पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने में ही जहर खा लिया। घटना से पीडिता की हालत बिगड गई और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहांष्ट्रै जहां से उसे बरेली रेफर किया गया। बरेली में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, पीड़िता की ओर से आठ माह पूर्व युवक पर दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी, जिसमें तीन माह पूर्व एफआर लग चुकी है। लेकिन पीड़िता ने पुलिस पर मिलीभगत का आरोप लगाकर जहर खा ली जिससे उसकी मौत हो गई।

सटरिंग कारीगर की संदिग्ध मीत, भाई ने लगाया हत्या का आरोप

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के बंथरा इलाके में 35 साल के युवक की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों ने ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया है। युवक की पत्नी की 3 महीने पहले मौत हुई थी। तब से वो अपने ससुराल में ही रह रहा था। भाई का आरोप है कि शनिवार को ससुराल वालों ने पिटाई भी की थी। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नेमौरा बंथरा का रहने वाला राम बहादुर (35) पुत्र राधे लाल यादव सटरिंग का काम करता था। राम बहादुर की शादी 11 साल पहले पुष्पा से हुई थी। दोनों की कोई संतान नहीं थी। 3 महीने पहले पत्नी की प्रेगनेंसी के दौरान मौत हो गई। इसके बाद ससुर दुर्गा प्रसाद ने अपनी दूसरी बेटी से शादी करवाने की बात कही। राम बहादुर को अपने साथ रख लिया। भाई विवेक का आरोप है कि दूसरी बेटी से शादी कराने की बात कहकर सारा सामान मांग रहे थे। इसको लेकर विवाद चल रहा था। जिसे लेकर शनिवार को ससुराल वालों ने राम बहादुर की पिटाई की। राम बहादुर ने सारी घटना बहन ऊषा को फोन करके बताया। बोलने लगा कि ससुराल वाले जान से मार देंगे। इस पर बहन ने विवेक को कॉल किया। विवेक अगले दिन जाने की बात कही। अगले दिन गांव पहुंचे तो मालूम हुआ कि रात को साली आई थी घर लेकर चली गई। बुधवार सुबह राम बहादुर बाइक से निगोहां में अपने फूफा राम कुमार के घर पहुंचा। काफी परेशान था करीब 10 मिनट बाद उलझन होने की बात कही। फूफा ने अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसके बाद अस्पताल से शव घर लेकर चले गए। भाई विवेक ने हत्या का शक जताते हुए पुलिस को सूचना दी।

सपा कार्यालय के सामने टावर पर चढ़ा सविदा कर्मचारी, अरिवलेश बोले, ये है जनता दरबार की सच्चाई

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सपा कार्यालय के सामने संविदा कर्मचारी पेटोल लेकर टावर पर चढ़ गया। बार–बार जान देने की धमकी देने लगा। पत्नी—बच्चे नीचे खड़े थे। पुलिसकर्मी उसे समझाने की कोशिश में लग गए, लेकिन कर्मचारी जिद पर अड़ा रहा। इसके बाद फायर ब्रिगेड की हाइड्रोलिक लिफ्ट ब्लाई गई। एसीपी हजरतगंज कर्मचारी के बेटे के साथ लिफ्ट से ऊपर गए। उसने किसी तरह से समझाया। इसके बाद उसे नीचे उतारा गया। इस घटना पर अखिलेश यादव ने तंज कसा। कहा ये है मुख्यमंत्री के तथाकथित दरबार की सच्चाई है। जहां कोई सुनवाई नहीं होती। कर्मचारी राजू सैनी अलीगढ़ का रहने वाला है। वह परिवार के साथ



जनता दरबार में शिकायत करने आया था। पत्नी से पुलिस को शिकायत पत्र मिला। इसमें लिखा है— परिवहन विभाग के अधिकारी भ्रष्टाचार करते हैं। प्रताड़ित करते हैं। दो बार कर्मचारी से मारपीट भी की गई। वहीं, पत्नी का कहना है कि अफसर पति से जर्जर बस चलवाते हैं, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है। अफसर जबरन खराब गाड़ी चलाने और नौकरी ने निकालने की धमकी देते हैं। डीजल चोरी का आरोप लगाकर सैलरी से रुपए की कटौती करते हैं। सैलरी कम मिलने के कारण बच्चे की पढाई—लिखाई नहीं हो पाती। उनको

जरूरत की सुविधा तक नहीं दे पाते हैं। कई ड्राइवर-कंडक्टर ससाइड भी कर चके हैं। 5 साल में प्ळेंत से 10-15 बार शिकायत की गई, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। इस घटना पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा- ये है उप्र में मुख्यमंत्री के तथाकथित दरबार की सच्चाई। जहां नहीं होती कोई सुनवाई। इसी से हताश होकर एक फरियादी टॉवर पर चढ गया। हम उस फरियादी से आग्रह करते हैं कि अपना जीवन खतरे में न डालें। क्योंकि जिनके हृदय में न दया है, न करूणा, न ही प्रेम उनके सामने गुहारने-पुकारने से क्या फायदा? आशा है शासन-प्रशासन उस व्यक्ति के साथ कोई अवांछित व्यवहार नहीं करेगा। उसकी समस्या का समाधान करेगा।

पोस्टर सियासतः बढेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रूपये में मिलेगा, अगर एक होंगे तो 400 रूपये में मिलेगा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चल रहे उपचुनाव के बीच रोजाना नए-नए पोस्टर लगाए जा रहे हैं। गुरुवार को फिर से सपा कार्यालय के बाहर लगा पोस्टर चर्चा में है। इस पोस्टर में एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नारे पर पलटवार किया गया है। पोस्टर में कांग्रेस नेता राह्ल गांधी व सपा अध यक्ष अखिलेश यादव की तस्वीर लगाई गई है। इसमें लिखा है कि बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा, अगर एक होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा। समाजवादी पार्टी कार्यालय के बाहर कांग्रेस पार्टी के उत्तरी विधानसभा के पूर्व वार्ड अध यक्ष अजीत कुमार मौर्य की तरफ से



एक होर्डिंग लगाई गई है। इसमें कांग्रेस के सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा मुखिया अखिलेश यादव का फोटो

साथ में लगा है। पोस्टर में लिखा है कि श्न बटेंगे न कटेंगे एक हैं और एक रहेंगे। बटेंगे तो गैस सिलेंडर 1200 रुपये में मिलेगा अगर एक

होंगे तो 400 रुपये में मिलेगा। पोस्टर में चारों धर्म के लोगों के चित्रों को भी दर्शाया गया है। इसके पास एक पोस्टर सपा प्रवक्ता अभिषेक बाजपेई की तरफ से लगाया गया है। इसमें लिखा है कि पीडीए की होगी जीत–एकता की होगी जीत। गंगा–जमुनी, तहजीब को न ही बंटने देंगे ना ही समाज की एकता को कटने देंगे। इससे पहले भी समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर पोस्टर लगाए गए थे। इसमें सीएम योगी के नारे पर पलटवार किया गया था। इनके जरिये सपा की ओर से सीएम योगी को जवाब देत हुए लिखा गया था श्न कटेंगे, न बंटेंगे, पीडीए के संग रहेंगे।

युवती को कार में जबरन बैठा ले गए दबंग,जांच में जुटी पुलिस

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सुशांत गोल्फ सिटी इलाके बुधवार रात कुछ दबंग युवती को जबरन कार में भर ले गए। घटना एशिया पैसिफिक रेजिडेंसी की बताई जा रही है। युवती की चीखें सुनकर आसपास के लोग जमा हो गए। इस पर दबंगों ने उन्हें धमकाकर शांत करा दिया। इसके बाद फरार हो गए। वहां मौजूद लोगों ने घटना की पूरी वीडियो बना ली। घटना के बाद इलाके के लोग गुरुवार की सुबह थाने पहुंचे और पुलिस को लिखित शिकायत दी है। अर्जुनगंज स्थित एशिया पैसिफिक रेजिडेंसी के रहने वाले लोगों का आरोप है कि कॉलोनी के कुछ घरों में अवैध रूप से होटल चल रहे है। मकानों में संदिग्ध गतिविधियों को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई लेकिन कभी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इंस्पेक्टर सुशांत गोल्फ सिटी अंजनी कुमार मिश्र का कहना है कि शिकायत मिली है। मामले की जांच की जा रही है। कॉलोनी वासियों ने 59 सेकंड का वीडियो पुलिस को दिखाया है। इस वीडियो में कुछ युवक एक कार में जबरन लड़की को बैठाते हुए दिख रहे कार के शीशे बंद हैं। कार के अंदर से लड़की बुरी तरह से चीख रही है और बाहर निकलने की कोशिश कर रही है। लड़की को जबरन ले जाने की वजह पूछने पर लड़के बोलने लगे नशा मुक्ति केंद्र ले जा रहे हैं। इसके बाद असलहा निकालकर लोगों को धमकाया। वहां से भागने के दौरान जब गार्ड ने गेट बंद करने की कोशिश की तो उस पर भी असलहा तान दिया।

सक्षिप्त खबरें

सीएम योगी ने प्रदेशवासियों को दी छठ पर्व पर बधाई

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोक आस्था के पर्व छठ पर बृहस्पतिवार को सभी प्रदेशवासियों को बधाई दी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर दिए गए बधाई संदेश में कहा गया, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने छठ पर्व पर प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इसमें कहा गया" छठ लोक आस्था का एक प्रमुख पर्व है। इस पर्व में आत्मिक शुद्धि और निर्मल मन से अस्ताचल और उदीयमान भगवान सूर्य की उपासना की जाती है। हमारे देश में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की समृद्ध परम्परा व संस्कृति है। प्रकृति के साथ मानव के जुड़ाव का संदेश देने वाला छठ पर्व इसी समृद्ध परम्परा का जीवन्त उदाहरण है।" छठ बिहार और पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाने वाला एक प्रमुख पर्व है और इसमें सूर्य देव की उपासना की जाती है।

आबकारी विभाग ने की छापेमारी, 70 लीटर शराब बरामद

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में आबकारी विभाग ने कच्ची शराब के खिलाफ अभियान चलाया है। नगराम और गोसाईगंज थाना क्षेत्र में यह कार्रवाई की गई है। गांव भज्जा खेड़ा, मोती का पुरवा, जौखंडी में संदिग्ध घरों, खेतों, बगीचों, तालाबों के किनारे दिबश और छापेमारी की गई। इस दौरान दिबश मौके से लगभग 70 लीटर अवध कच्ची शराब और 450 किलोग्राम लहन बरामद हुआ है। जिला आबकारी अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि लगातार अभियान चलाया जा रहा है। नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई हो रही है। कच्ची शराब बनाने वाले 3 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई हो रही है। कच्ची शराब बनाने वाले 3 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। इसके साथ ही हाइवे और ठेकों के किनारे भी अभियान चला है। यहां पर भी लोगों को चेतावनी दी गई है। आबकारी निरीक्षक लक्ष्मी शंकर बाजपेई, विवेक सिंह, अजीतपाल सिंह, योगेंद्र नाथ सिंह, प्रभात कुमार, रिमता सिंहत अन्य लोग मौके पर मौजूद रहे।

चलती कार में लगी आग, चालक ने परिवार सहित गाड़ी रोक बचाई जान

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में पारा के खुशहालगंज आउटर रिंग रोड पर गुरुवार चलती सीएनजी कार में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। चालक ने बोनट से धुआं निकलता देख कार को सड़क किनारे खड़ा किया। उसके बाद उसमें सवार पत्नी और बच्चों समेत नीचे उतर कर दमकल को सूचना दी। दमकल के पहुंचने से पहले कार ने आग पकड़ ली। दमकल कर्मियों ने 14 मिनट में आग को बुझा लिया। पुलिस के मुताबिक बक्शी का तालाब निवासी इस्लाम अपनी पत्नी नाजिया और बेटी अनबिया (2) के साथ गुरुवार को आउटर रिंग रोड से होकर बख्शी तालाब जा रहे थे।खुशहालगंज के पास अचानक कार में शॉर्ट सर्किट होने से इंजन से धुआं निकलने लगा। उन्होंने समय रहते कार रोककर ली और परिवार समेत उतर गए। जबतक कार का बोनट खोलते आग की लपटें निकलने लगी। एफएसओ धर्मपाल ने बताया दमकल कर्मियों ने 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया।

सिर पर दौरा लिए घाट पर पहुंचे श्रद्धालु,झूलेलाल घाट पर डूबते सूर्य को व्रतियों ने दिया अर्घ्य

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोमती तट स्थित झूलेलाल पार्क में छठ के गीतों के बीच जबरदस्त उत्साह था। ढोल नगाड़े और भिक्त गीतों के बीच झूम रहे थे। सिर पर दौरा लिए श्रद्धालुओं के पहुंच रहे थे। मिर पर दौरा लिए श्रद्धालुओं के पहुंच रहे थे। मिर तियां में उतरकर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। इसके बाद पूर्व निर्धारित अपनी अपनी बेदी के पास बैठकर पूजा अर्चना शुरू की। इस महापर्व के अवसर पर भाजपा नेता जितेंद्र सिंह बबलू ने अपने परिवार के साथ झूलेलाल घाट पर पहुंचकर छठ मैया की पूजा अर्चना की। इस दौरान उन्होंने नदी में पत्नी के साथ खड़े होकर दूध की धार से अर्घ्य दिलाया। घाट पर जुटीं महिलाओं ने डूबते सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर अपने बच्चों के दीर्घायु और परिवार के सुख शांति की कामना की। इस मौके पर अनीता सिंह, आनद शेखर सिंह, मिन्कू सिंह और पूर्णिमा सिंह ने यहां पहुंचकर पूजा की।

वरिष्ठ नागरिकों, पत्रकारों, सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं महिलाओं के लिए अलग से बनेंगे काउन्टर-दयाशंकर

लखनऊ। संभागीय और उपसंभागीय परिवहन कार्यालयों में विष्ठि नागिरकों, मान्यता प्राप्त पत्रकारों, सैनिकों, भूतपूर्व सैनिकों एवं महिलाओं को सुविधा हेतु पृथक से काउन्टर बनाये जायेंगे। परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने बताया कि परिवहन विभाग का कार्यालय प्रत्यक्ष रूप से आमजन मानस से जुड़ा हुआ है। हमारे यहां ड्राइविंग लाइसेंस, वाहनों के फिटनेस, पंजीयन एवं अन्य वाहन संबंधी कार्यों का निष्पादन प्रतिदिन होता है। ऐसे में परिवहन विभाग के कार्यालयों में आने वाले विरुट्ठ नागिरकों, सैनिकों, महिलाओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इसी के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है।मंत्री ने बताया कि परिवहन कार्यालयों में प्रत्येक कार्य के लिए अलग काउन्टर बने हुए हैं, जिन पर आवेदक अपने कार्यों को कराते हैं। आवेदको की संख्या अधिक होने के कारण विरुट्ठ नागिरकों, मान्यता प्राप्त पत्रकारों, सैनिकों एवं महिलाओं को अपने कार्य कराने में असुविधा हो रही थी। अब अलग से काउन्टर बन जाने से इन सभी को काफी सुविधा होगी। डीएल, वाहन फिटनेस इत्यादि संबंधी कार्य आसानी से हो सकेंगे।

मनरेगा कार्यो की ड्रोन तकनीक से हो रही निगरानी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मनरेगा योजनांतर्गत किये गये कार्यों की ड्रोन तकनीकी से निरंतर निगरानी और निरीक्षण का कार्य किया जा रहा है। वर्तमान सरकार का तकनीक के इस्तेमाल पर विशेष बल है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के नेतृत्व व निर्देशन में ग्राम्य विकास विभाग की ग्रामोन्मुखी योजनाओं का क्रियान्वयन जहां बेहतर तरीके से किया जा रहा है। वहीं योजनाओं को अमलीजामा पहनाने में कहीं घालमेल न होने पाये ,इसके लिए सतत् रूप से निगरानी किये जाने की व्यवस्था की गयी है। मनरेगा के कार्यों की गुणवत्ता पर प्रभावी व पैनी नजर रखने के भी सख्त निर्देश दिए गए हैं। मनरेगा कार्यों की ड्रोन तकनीक से वीडियोग्राफी,फोटोग्राफी कर निगरानी का कार्य निरंतर जारी है। राज्य मुख्यालय स्तर पर तैनात टीमों द्वारा जनपदों में जाकर कार्यों की निरंतर ड्रोन तकनीक से विडीयोग्राफी,फोटोग्राफी का कार्य किया जा रहा है।

हिन्दी दैनिक अवतार क्रान्ति : स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विश्राम शर्मा द्वारा स्पेक्ट्राविजन मीडिया प्रा०लि०, 89/211 रामगोपाल विद्यान्त रोड, मकबूल, लखनऊ से मुद्रित कराकर 633/12 सन सिटी पंचवटी कमता चिनहट, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित सम्पादक विश्राम शर्मा मो० - 9455000085 सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ जनपद होगा। G-mail : avatarkrantiki@gmail.com